विल रॉजर्स की कहानी

हास्य-विनोद का महत्व

विल रॉजर्स की कहानी

लेखक: जॉनसन

हेलो, मैं हूँ डॉक्टर महत्व, जो आपको यह कहानी सुना रहा हूँ। इससे पहले कि हम यह कहानी शुरू करें, शायद आपके लिए यह जान लेना उचित होगा कि विल रॉजर्स के बारे में और ऐतिहासिक जानकारियां अंतिम पृष्ठ पर उपलब्ध हैं। चलिए, अब मैं आपको मिलवाता हूँ अपने एक बहुत अच्छे दोस्त से, जो मुझे विश्वास है, कि आपका भी अच्छा दोस्त बन जायेगा। मैं बात कर रहा हूँ विल रॉजर्स की।

बहुत समय पहले की बात है, एक व्यक्ति था, जिसका नाम था विल रॉजर्स। लगभग सभी लोग उसे चाहते थे, और उसकी प्रशंसा करते थे। यहाँ तक कि लोगों ने उसकी एक मूर्ति भी बनवाई।

लोग उसे इतना प्यार इसलिए देते थे क्योंकि उसने एक ख़ास काम करना सीख लिया था। यही नहीं, उसने अन्य बहुत से लोगों को भी वह काम करना सिखाया। क्या लगता है तुम्हें, क्या होगा वह काम?

खैर, इस सब की शुरुआत तब हुई, जब वह एक छोटा लड़का था।
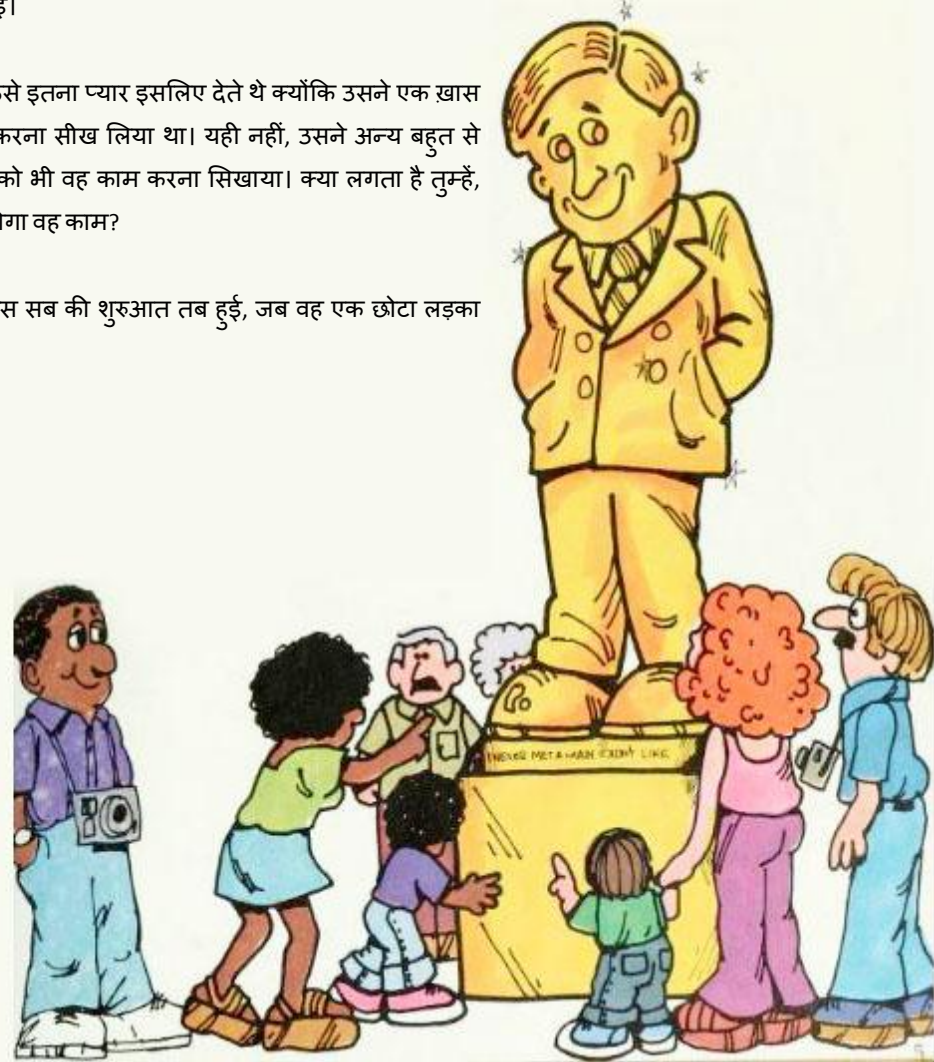
नन्हा विल ओक्लाहोमा में अपने माता-पिता के फार्म पर रहता था। और बच्चों की तरह ही, उसे भी ज़रूरी काम करने के बजाय खेलने-कूदने में ज़्यादा मज़ा आता था। कभी वह अपनी घोड़ी को ठन्डे पानी के झरने में तैरने के लिए छोड़ देता। घोड़ी की पूंछ पकड़ कर वह ज़ोर-ज़ोर से हँसता।

एक दिन विल ने सोचा, "क्यों न मैं कुछ ऐसा करूँ जिसमें और भी ज़्यादा मज़ा आये।"
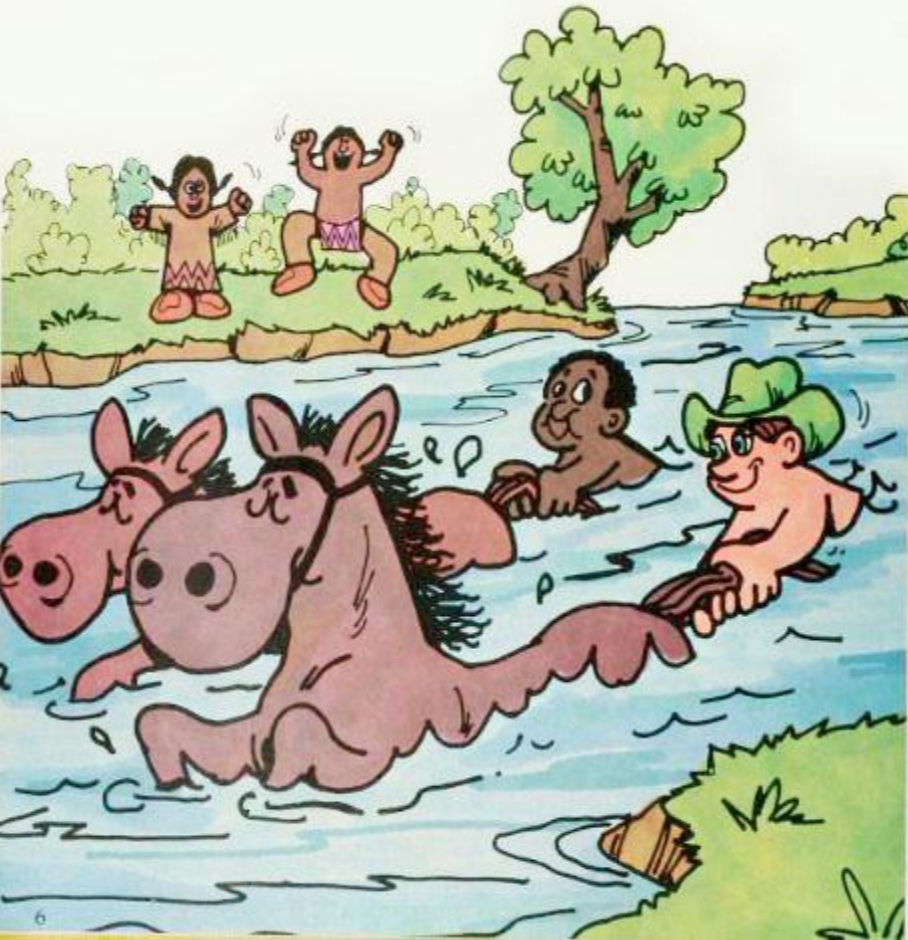
"क्या तुम मुझे सिखा सकते हो कि जानवरों को रस्सी फ़ेंक कर कैसे पकड़ते हैं?" विल ने डैन वॉकर से पूछा। डैन एक काउबॉय था जो फार्म पर काम करता था, और वह अपने रस्सी के फंदे से लगभग किसी भी जानवर को फंसा सकता था। "मैं इस काम में संसार में सबसे अच्छा बनना चाहता हूँ," विल ने कहा।

"ओह, नहीं," विल की माँ ने सोचा, जब उसने यह सुना। "क्या होगा विल का भविष्य? मैं चाहती हूँ कि वह बड़ा होकर एक पादरी बने, और लोगों की सहायता करे, लेकिन वह तो केवल रस्सी झुलाना चाहता है।"
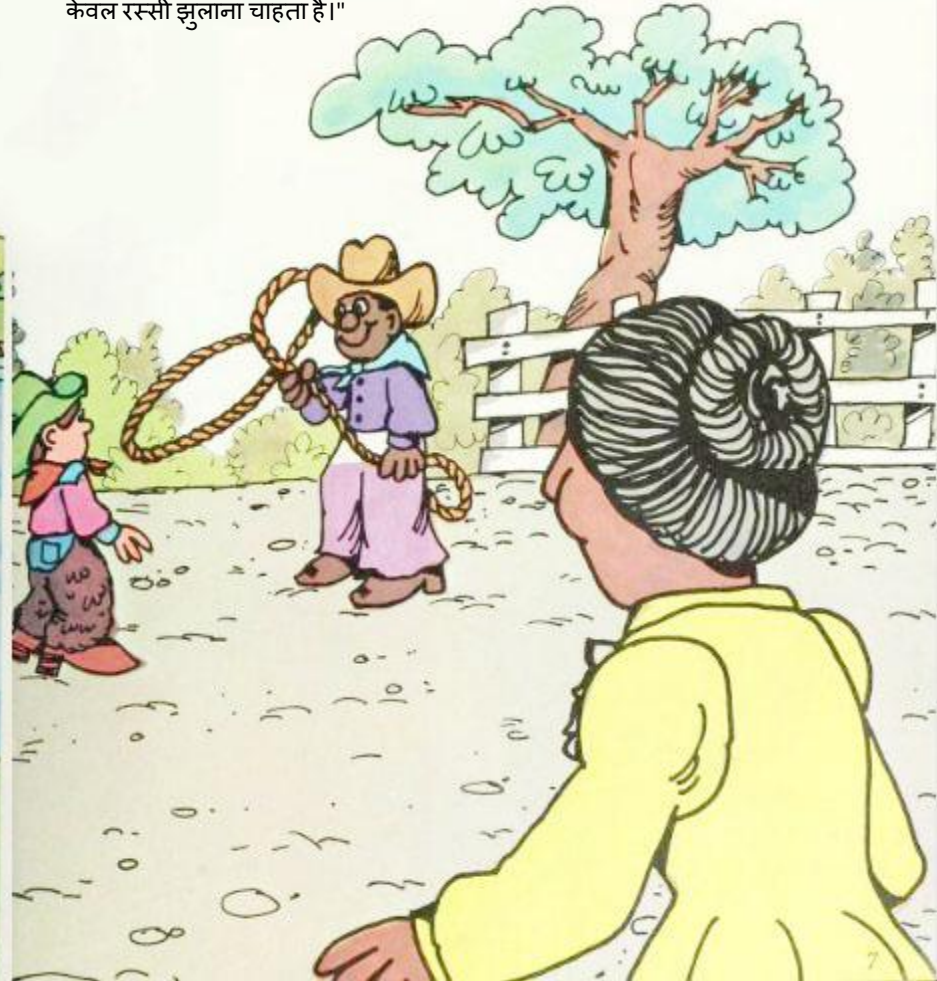
विल अपना अधिकतर समय रस्सी के साथ खेलने में बिताने लगा। अब उसके पिता भी उसकी इस बात से खुश नहीं थे। एक दिन उसके पिता ने उसे बुलाया, "विल, यहाँ आओ।" "अरे, मारे गए," विल ने सोचा।

"जबकि तुम्हें अपना काम-काज करना चाहिए, तुम इस खेल-कूद में पड़े हो," विल के पिता ने उसे डांटा। "विल,तुम एक अच्छे लड़के हो, लेकिन तुम्हें काम करना होगा। दरअसल," उसके पिता ने उसे प्रेम से समझाया, "अगर तुम्हें ज़िन्दगी में कुछ अच्छा करना है, तो तुम्हें बहुत मेहनत करनी होगी।"

विल को अफ़सोस हुआ कि उसने अपने पिता को नाखुश कर दिया है। फिर वह वहां से चला गया।
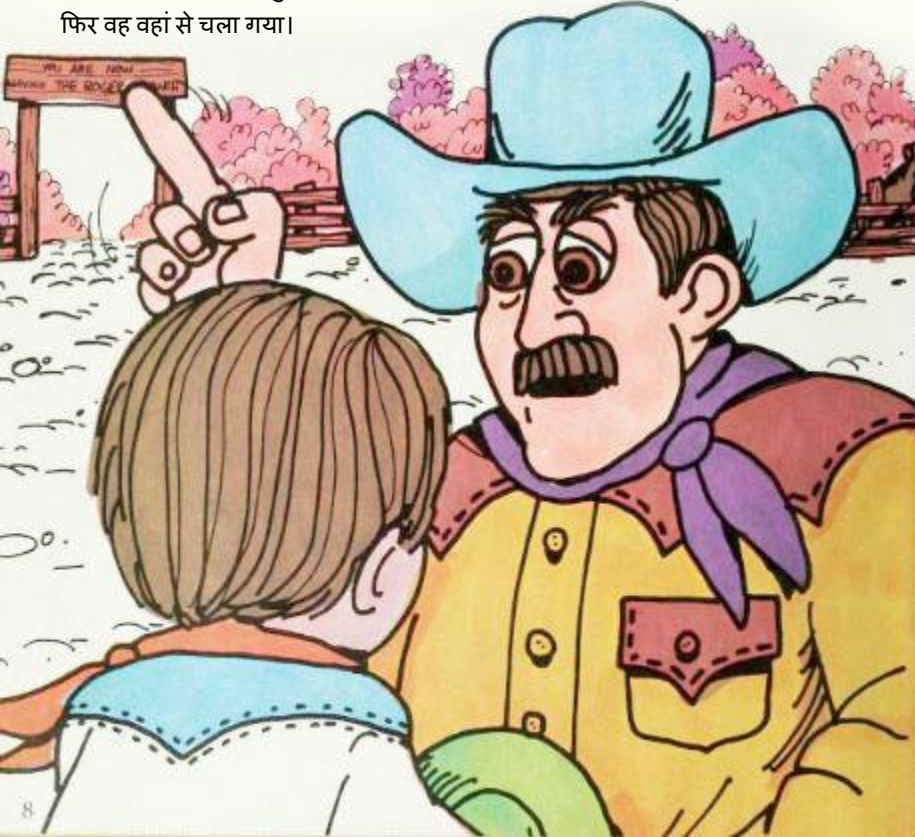
वह जाकर चुपचाप चहारदीवारी पर बैठ गया, और अपनी रस्सी उछलने लगा। उसके पिता ने जो कुछ कहा था, वह उस बारे में सोचता रहा। "मैं नहीं चाहता कि मेरे माता-पिता मुझसे कभी भी नाराज़ हों," उसने सोचा। "मैं चाहता हूँ कि मैं हमेशा उचित कार्य करूँ।"

जब विल अपनी रस्सी झुला रहा था, उसे घूं -घूं की आवाज़ सुनाई दे रही थी, जैसी कि रस्सी को हवा में घुमाने से आती थी। लेकिन विल कल्पना करने लगा कि इस घूं -घूं की आवाज़ के द्वारा उसकी रस्सी उससे बातें कर रही है।

और फिर अचानक वही हुआ।
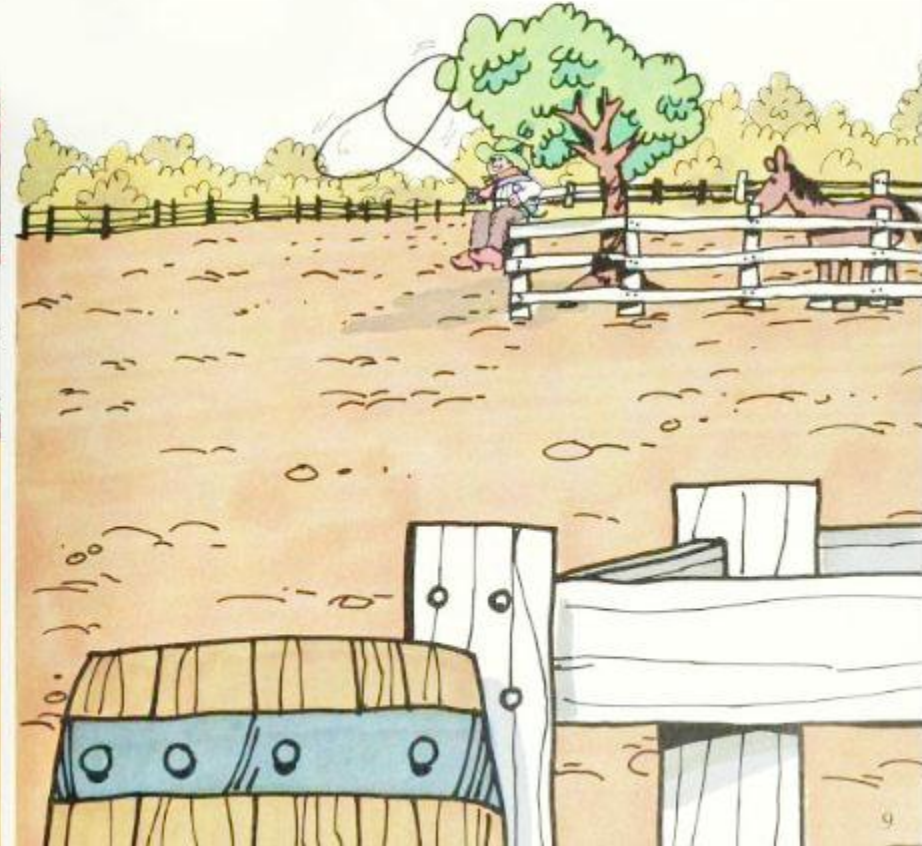
"कैसे हो, विल," लगा, जैसे रस्सी ने कहा हो। "मैं लैरी हूँ, लैरी एट। और मैं तुम्हारा सबसे अच्छा दोस्त बनना चाहता हूँ।"

"अरे वाह!" विल ने आश्चर्य से कहा। वह चहारदीवारी से नीचे कूद पड़ा, और चिल्लाया, "मुझे बहुत ख़ुशी होगी, तुम जैसे अच्छे दोस्त को पा कर।"

निश्चय ही, सबको पता है, कि अपने सबसे अच्छे दोस्त हम खुद ही होते हैं। विल को अच्छी तरह पता था कि लैरी एट और कुछ नहीं उसकी अपनी कल्पना की उपज था, और वह किसी और से नहीं, बल्कि खुद अपने आप से बातें कर रहा था। लेकिन इस रस्सी को अपना दोस्त समझने में उसे मज़ा आ रहा था।
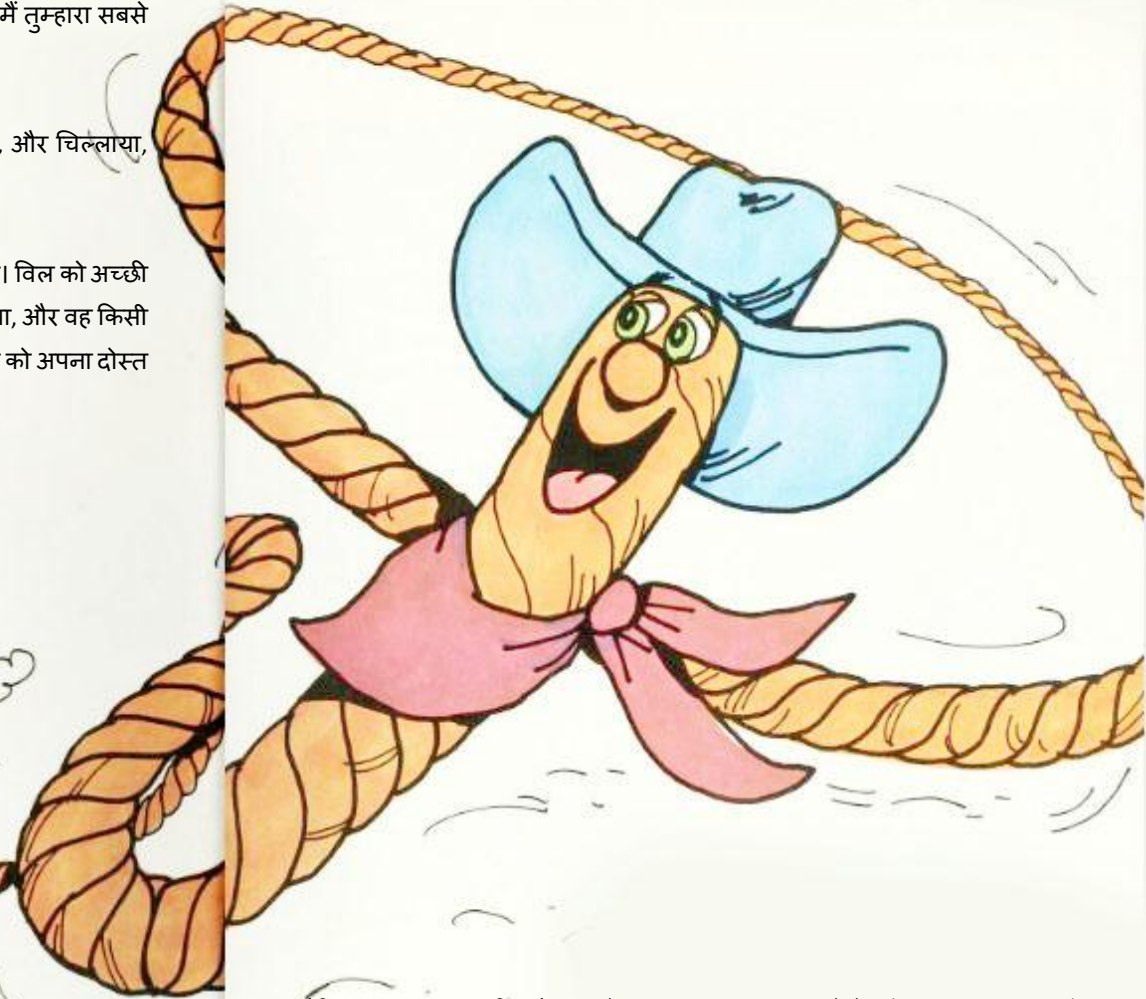
लैरी एट मुस्कुराया। "ठीक है," उसने कहा। "अब हम एक दूसरे के जोड़ीदार हुए। अब सुनो, जोड़ीदार, मैं तुम्हें कुछ बतलाता हूँ, जिसे सुनकर तुम अच्छा महसूस करोगे।"

"वह क्या?", विल ने पूछा।

"तुम्हें खुल कर हंसने की ज़रूरत है," लैरी एट ने कहा। "इससे तुम क्षण भर में प्रसन्नचित्त हो जाओगे।"

"जब तुम्हारी हंसने की इच्छा न हो रही हो, उस समय तुम्हें हंसने की सबसे अधिक आवश्यकता होती है," लैरी एट ने कहा। "जब मज़ा आ रहा हो, तब तो हर कोई हंस सकता है। लेकिन जब सब कुछ ठीक न हो रहा हो, उस समय एक विनोदपूर्ण मन की बहुत आवश्यकता होती है।"

विल को ठीक से समझ नहीं आया कि विनोदपूर्णता का क्या मतलब है, लेकिन उसने इस बारे में बाद में सोचने का निश्चय किया। हो सकता है, कि लैरी एट की बात सही हो।
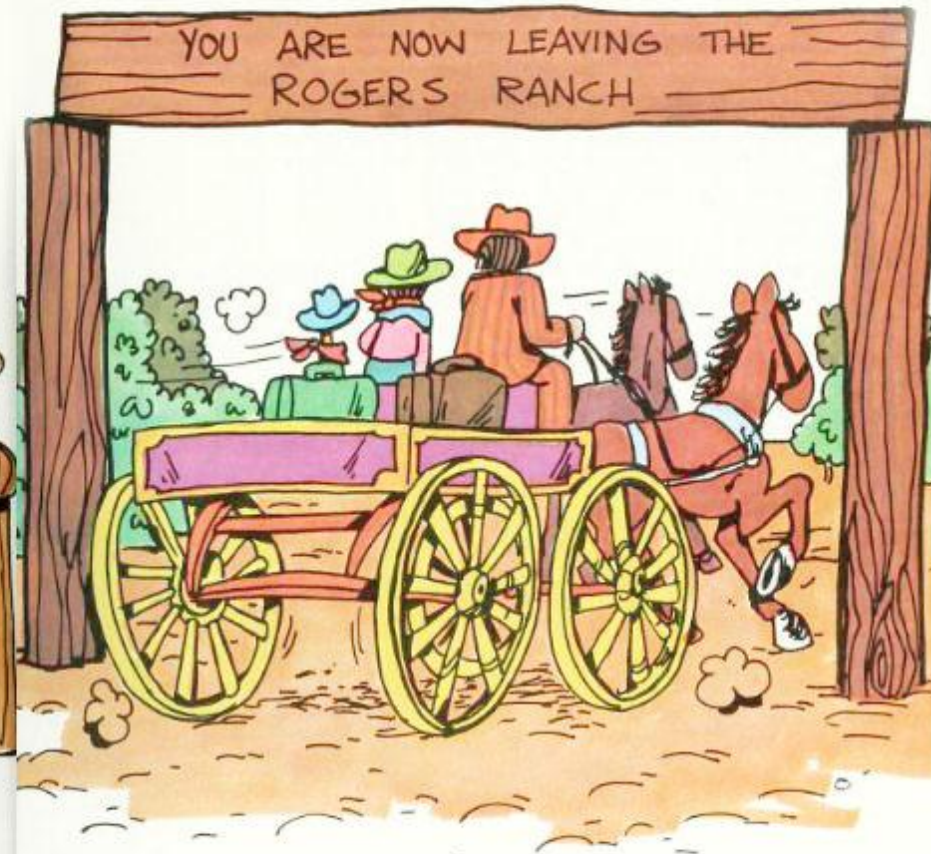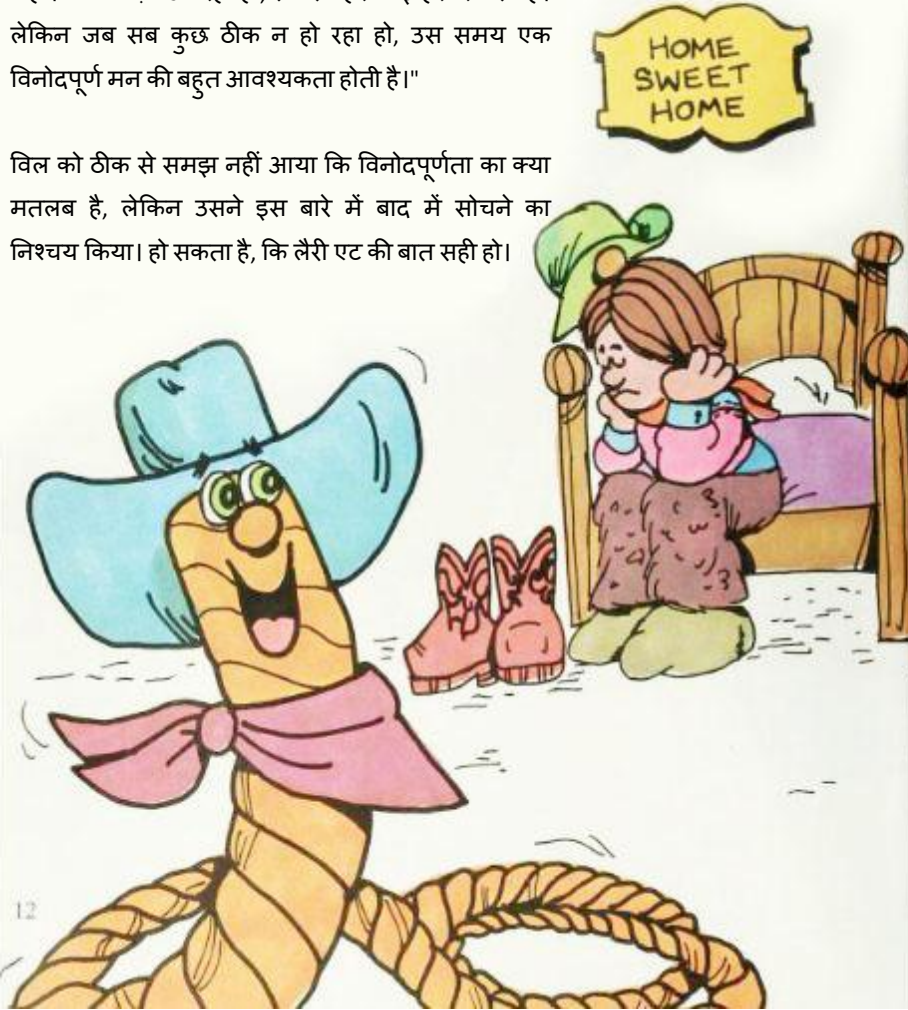
लेकिन अब विल के स्कूल में दाखिले का समय आ चुका था। जब वह अपने पिता के साथ घोड़ागाड़ी में बैठ कर स्कूल जा रहा था, उसने सोचा, "पता नहीं स्कूल कैसा होगा। पता नहीं, मैं अपनी रस्सी से वहां कुछ पकड़ पाऊँगा या नहीं।"

"अरे, अरे!" लैरी एट ने एक गहरी साँस ली। "लगता है, विल फिर किसी मुसीबत में फंसने जा रहा है।"

असलियत यह थी, कि स्कूल बिलकुल भी फार्म जैसा नहीं था। वहां रस्सी के फंदे से पकड़ने के लिए कोई भी बछड़े या अन्य जानवर नहीं थे। "मैं अपनी रस्सी का फंदा उस मूर्ति के गले में डालता हूँ," उसने निश्चय किया।

"सावधान, विल!", लैरी एट ने चिल्ला कर कहा।
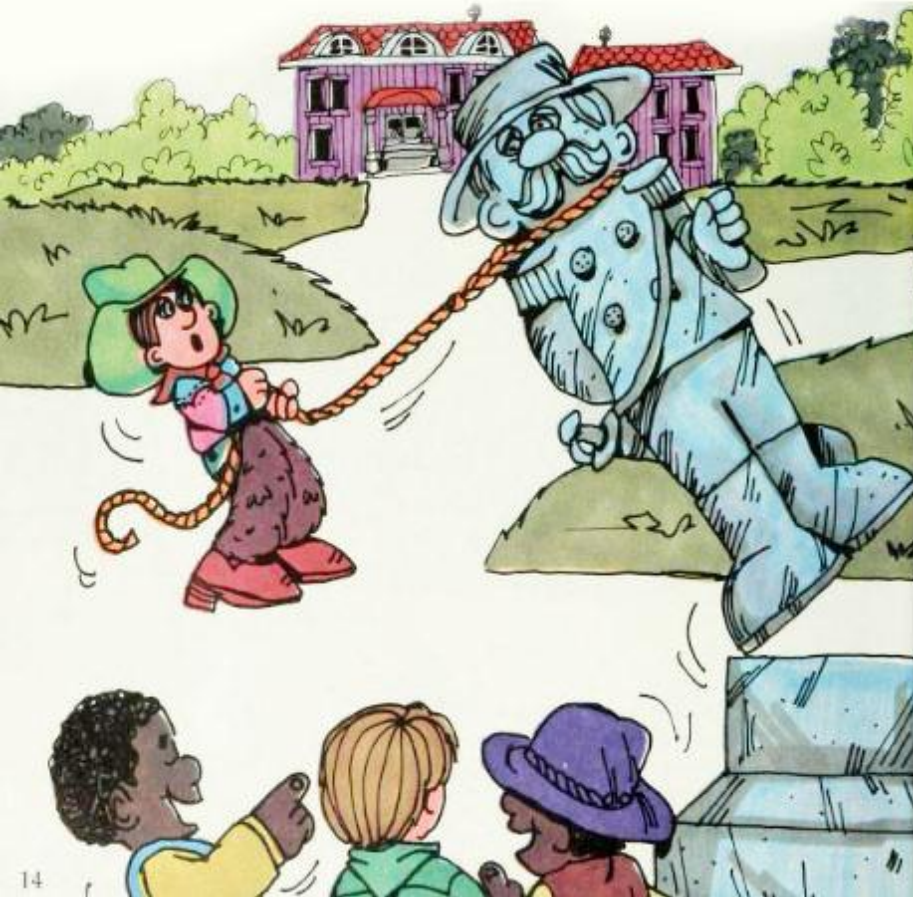
विल ने यह समझने में देर कर दी, कि वह मूर्ति अपनी मंच में गढ़ी नहीं थी, बल्कि केवल उस पर रखी थी। "अरे नहीं!" वह चिल्लाया। फंदा डालते ही मूर्ति लुढ़क पड़ी, और गिर कर चकनाचूर हो गई।

विल ने निश्चय किया कि वह मुसीबत से दूर रहेगा, और अपना रस्सी का अभ्यास करने के लिए वह एक एकांत स्थान पर चला गया। कम से कम वह तो यही सोच रहा था, कि वहां वह बिलकुल अकेला है।

लेकिन ज़रा ध्यान से देखो। क्या तुम देख रहे हो, स्कूल की इमारत के कोने से कौन निकल कर आ रहा था। तुम्हें क्या लगता है, अब क्या होने वाला है ?

"आ......ह," विल के अध्यापक जी का जैसे दम घुट गया हो। उनका चेहरा एकदम लाल हो गया था। वह ज़मींन पर गिर पड़े। वह गुस्से से उबल रहे थे।

"हे भगवान," विल ने कहा। "मैं फिर मुसीबत में फँस गया!" विल ने अध्यापक जी को सहारा देकर उठाया, और उनको रस्सियों से छुड़ाया। विल ने माफ़ी मांगी। "क्षमा करें, मुझसे ग़लती हो गई, मैंने आपको देखा नहीं।"

"यह तुम्हारी आखिरी ग़लती है," अध्यापक ने चिल्ला कर कहा। "तुम्हें स्कूल से निकाला जाता है।"

"भविष्य में कभी तुम इस बारे में सोच कर हंसोगे," लैरी एट ने फुसफुसाकर कहा,"लेकिन मेरी समझ से इस समय ऐसा भूल कर भी न करना।"

कुछ चीज़ें, जो विल करता था, उसे इतनी ग़लत नहीं लगती थीं। लेकिन बड़ों को वे बहुत बुरी लगती थीं। जब उसके पिता को पता चला कि क्या हुआ था, तो उन्होंने उसे एक सैनिक स्कूल में भेज दिया, जहाँ का अनुशासन बहुत कड़ा था।
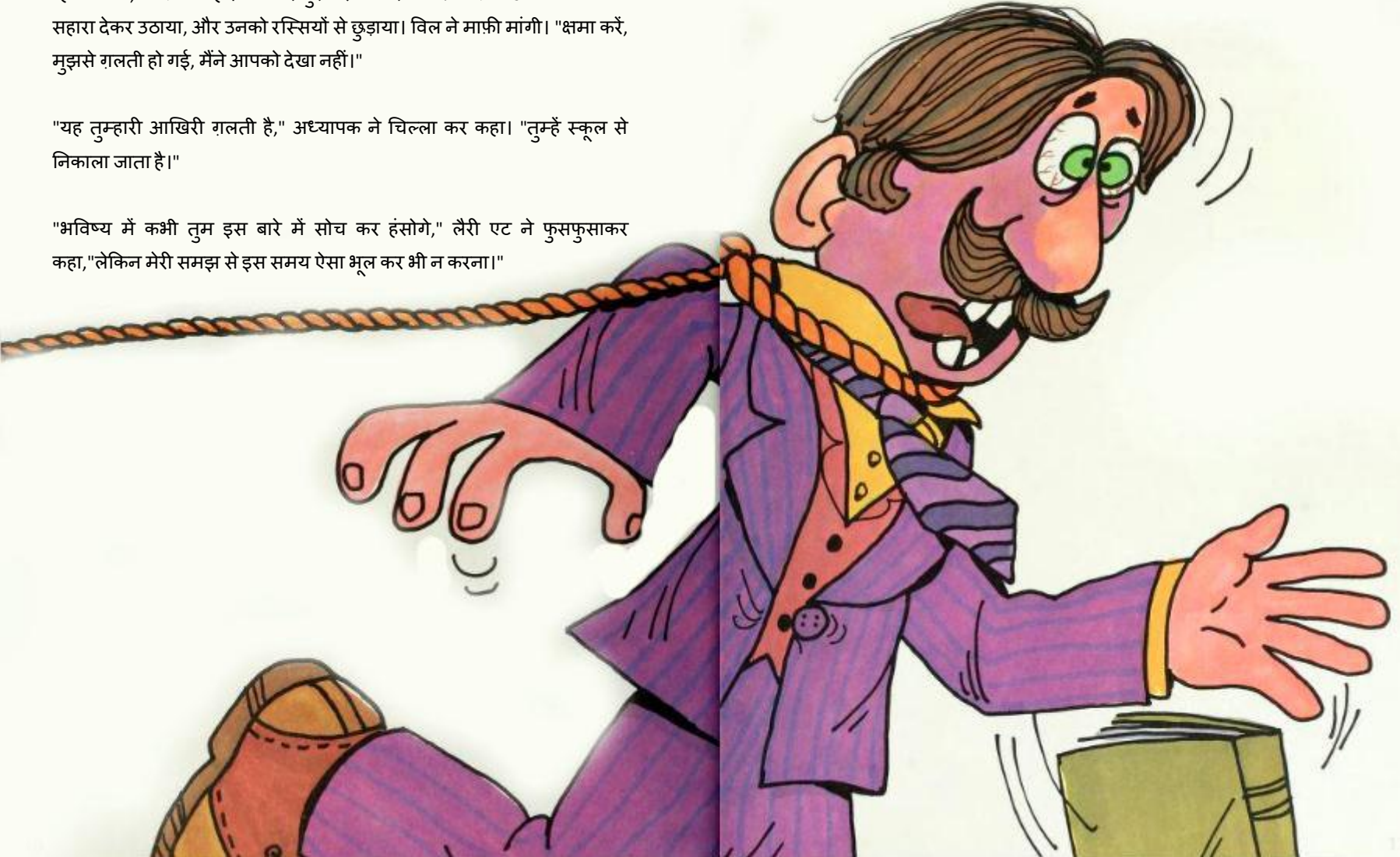
जब वह केम्पर सैनिक स्कूल पहुंचा, जो कुछ हुआ था, उसके बारे में सोच कर विल मुस्कुराया। "मैं भी कितना मूर्ख हूँ, कि अध्यापक जी के ऊपर ही फंदा डाल दिया। लेकिन भविष्य में मैं दोबारा ऐसा नहीं करूँगा।"

"अच्छे बच्चे," लैरी एट ने कहा। "यदि तुम घटनाओं के विनोदपूर्ण पहलू को देख सको, तो तुम अच्छा महसूस करोगे। और उससे तुम्हारी सोच भी सुधरती है। विल, तुम वाकई अब शीघ्रता से सीख रहे हो।"

जल्दी ही दूसरे लड़कों की तरह विल को भी एक बढ़िया सैनिक पोषाक मिल गई। दूसरे लड़के विल की बातें सुनना पसंद करते थे।

"विल तुम एक बहुत अच्छे वक्ता हो," एक अध्यापक ने उससे कहा। "तुम्हारी याददाश्त बहुत अच्छी है, और दिमाग़ तेज़। तुम हमेशा हमें हँसाते हो। और तुम्हारी बातें विचार करने योग्य होती हैं। तुम्हें स्कूल के सर्वश्रेष्ठ वक्ता का ख़िताब दिया जाता है।"

लेकिन अपने दिल में विल अभी भी वही छोटा लड़का था, जिसे काम-काज के बजाय खेलना ज़्यादा पसंद था। उसने अधिकतर विषयों की ठीक से पढाई नहीं की, और इसलिए उसके नंबर बहुत कम आये। इस कारण वह बहुत दुःखी हो गया।

फिर विल ने एक बहुत ही नादानी का काम किया। जानते हो, वह क्या था?

विल स्कूल छोड़ कर भाग गया। वह अपने कमरे की खिड़की से रस्सी के सहारे नीचे उतर गया। "मैं यह स्कूल का झमेला ज़िन्दगी भर के लिए छोड़ रहा हूँ," उंसने कहा।

"तुम्हारा यह इरादा बिलकुल ठीक नहीं है," लैरी एट ने उसे चेताया। लेकिन विल ने उसकी एक न सुनी।

क्योंकि वह अपने पिता का सामना नहीं करना चाहता था, वह वापस घर गया ही नहीं। विल अगर कोई काम सबसे अच्छी तरह करना जानता था, तो वह था रस्सी फेंकने का काम। इसलिए वह एक फार्म पर चला गया, जहाँ उसने काउबॉय की नौकरी कर ली।

जब वह काउबॉय था, उसे बिना किसी मुसीबत में फंसे रस्सी फेंकने का अभ्यास करने का भरपूर मौका मिला। इस काम में उसकी कुशलता दिन पर दिन बढ़ती ही गई।
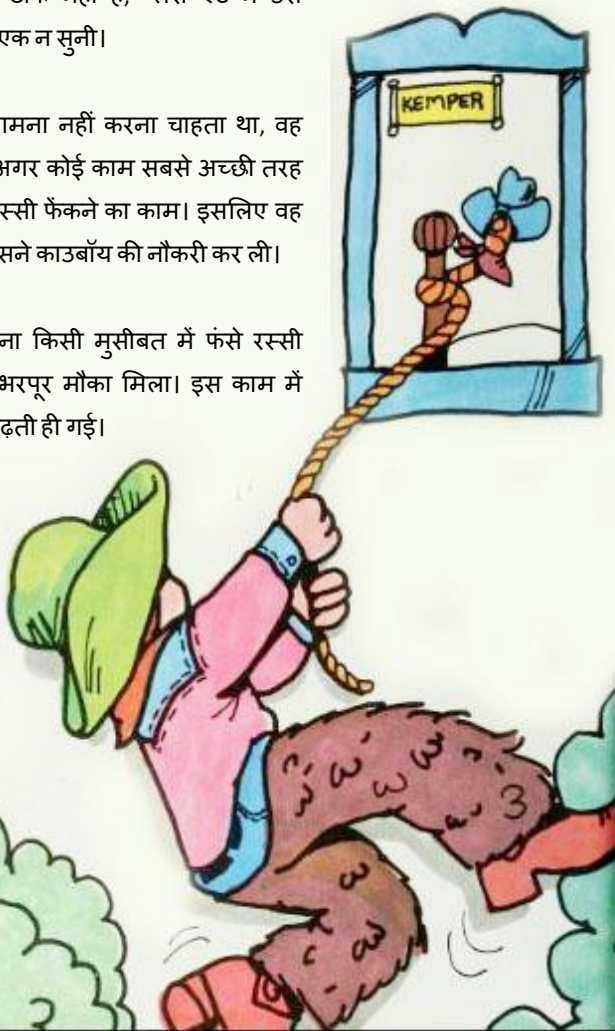
लेकिन काउबॉय बन कर पशुओं की देखभाल करना बहुत परिश्रम का काम था, जो उसने नहीं सोचा था। लैरी एट और विल दोनों ही इस काम में धूल और पसीने से तर-बतर हो जाते। धूल इतनी ज़्यादा होती, की लैरी एट को दिखाई भी नहीं देता।

एक दिन लैरी एट ने खांसते-खांसते कहा, "विल, क्यों न अब घर वापस चला जाय? भले ही तुम स्कूल छोड़ कर भागे हो, लेकिन तुम्हारे पिताजी ज़रूर तुम्हें देख कर खुश होंगे।"

जब विल घर वापस पहुंचा, तो वह और उसके पिता, दोनों बहुत खुश हुए। "ओ....ह," विल ने एक लम्बी सांस लेकर कहा ,"कितना अच्छा लग रहा है, एक बार फिर से अपने बिस्तरे में आराम से लेटना।"

लैरी एट हंसा। "विल, तुम्हारा स्कूल छोड़ कर भागना एक बहुत ही बेवकूफी भरा निर्णय था। कितने बुद्धू लग रहे थे तुम।"

विल मुस्कुराया, लेकिन हंसा नहीं।

लैरी एट ने अपने हंसी दबाते हुए कहा, "चलो, कम से कम कोई ग़लती करने के बाद तुम अपने आप पर हंसना तो सीख रहे हो।"

कुछ समय बाद, विल के पिता ने कहा, "विल, अच्छा है कि तुम घर पर ही रह रहे हो। मुझे उम्मीद है कि काउबॉय के काम में तुमने बहुत कुछ सीखा होगा। मुझे ज़रूरी काम से बाहर जाना है। मेरे पीछे फार्म को तुम्हें ही सम्हालना है। विल, ध्यान रखना कि हर कोई अपना काम ठीक से करे।"

क्या लगता है तुम्हें, क्या विल ने फार्म का काम ठीक से संभाला होगा?

विल एक अच्छा बॉस बिलकुल साबित नहीं हुआ। उसने फार्म पर एक मंच बनाया। वह मंच पर खड़ा होकर अपना रस्सी उछलने का अभ्यास करता। फार्म पर काम करने वाले सभी काउबॉय लड़कों और लड़कियों को वह मज़ेदार कहानियां सुनाता, और उन्हें हँसाता। लोगों को हँसाना विल को अच्छी तरह आता था। लेकिन उनसे काम करवाना बिलकुल भी नहीं।

"अरे, नहीं!" विल के पिता ने कहा, जब लौट कर उन्होंने फार्म के हालात देखे। "विल, तुम कब बड़े होगे, और ज़िम्मेदार बनोगे?"

"मुझे अफ़सोस है, पिताजी," विल ने कहा। "मुझे लगता है कि फार्म की देख-रेख का काम मैं नहीं कर सकता। मैं वही काम करना चाहता हूँ, जिसे मैं अच्छे से कर सकता हूँ।"

इसलिए, विल जाकर एक रोडीओ में शामिल हो गया।

तुम्हें पता है न, कि रोडीओ क्या होता है ? हाँ, बिलकुल। यह काउबॉय लोगों की एक स्पर्धा होती है, घुड़सवारी की ,और रस्सी फेंकने की। और जो जीतता है, उसे काफी पैसा मिलता है।
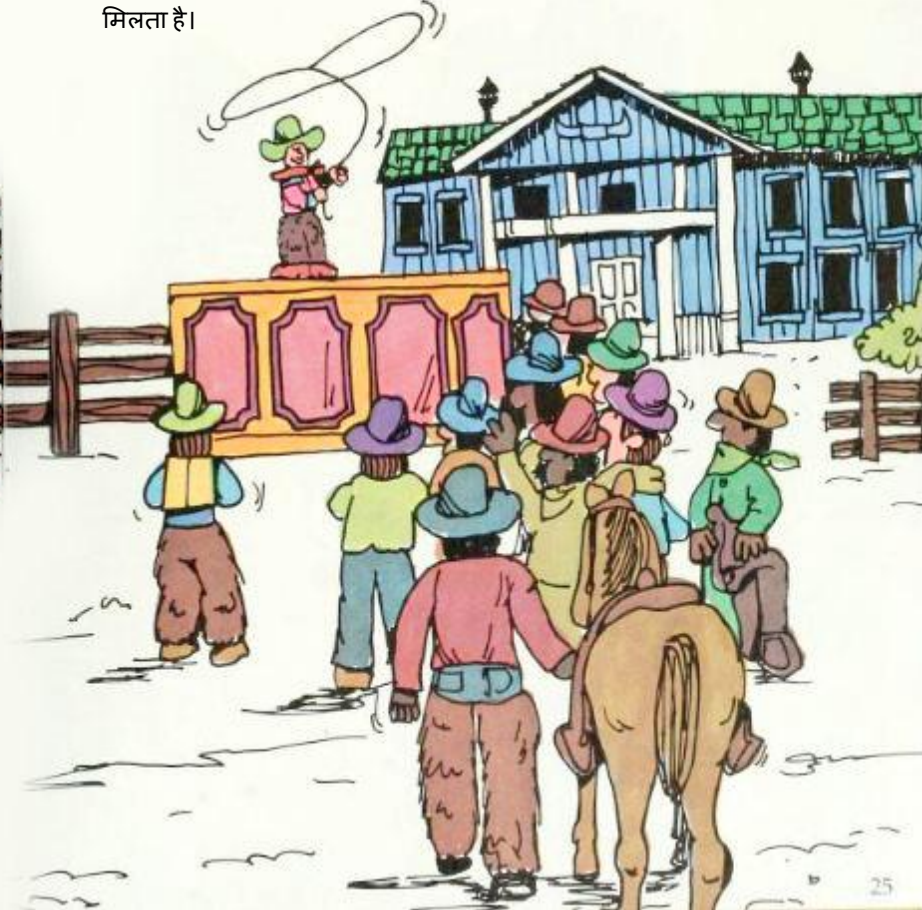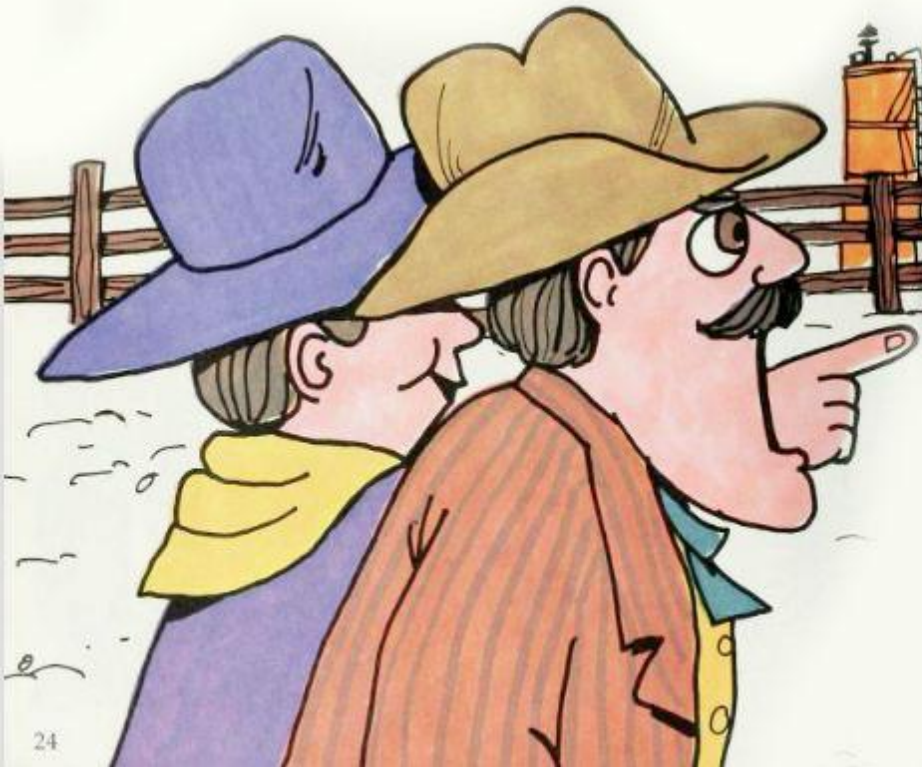
शुरू में विल को काउबॉय बैंड में काम दे दिया गया, जिसका काम था रोडीओ ग्राहकों का मनोरंजन करना।

"क्या मज़े की बात है," लैरी एट ने कहा। "तुम्हें तो कोई बाजा बजाना आता ही नहीं है।"

"वाकई, यह मज़े की बात है," विल ने हंस कर कहा। फिर उसने तुरही को अपने होठों से लगाया, और उसे बजाने का नाटक करने लगा।

दर असल, वह बैंड काउबॉय लोगों की दूसरी टोली का मज़ाक बनाने की फ़िराक़ में था। तुम समझ ही गए होगे, कि विल बेसब्री से इस काम में हिस्सा लेने का इंतज़ार कर रहा था।

रोडीओ में भाग लेने के लिए जो धुरंधर काउबॉय वहां आये थे, उन सभी को बुला कर बैंडमास्टर ने कहा, "मैं शर्तिया कह सकता हूँ, कि मेरे बैंड में एक काउबॉय है, जो तुम सभी धुरंधरों से भी जल्दी अपनी रस्सी फ़ेंक कर बछड़ा पकड़ सकता है।"

"यह असंभव है," उन लोगों ने हंस कर कहा।

विल, जो कि लम्बे समय से रस्सी फेंकने का अभ्यास करता रहा था, मन ही मन सोचने लगा, "आज ये काउबॉय ज़रूर अचम्भे में पड़ने वाले हैं।"

फिर रस्सी फेंकने की प्रतियोगिता हुई, और बता सकते हो कौन जीता ?

बिलकुल, विल ही जीता। धुरंधर काउबॉय मुँह दिखाने काबिल न रहे।

"हुर्रे, हुर्रे," सभी चिल्ला रहे थे। "पूरे रोडीओ में विल रॉजर्स ही सबसे अच्छा है, रस्सी फेंकने में और बछड़े पकड़ने में।"

"बहुत बढ़िया, विल!" लैरी एट ने जोश से चिल्ला कर कहा।

विल को रोडीओ में रस्सी के करतब दिखाना बहुत अच्छा लगता था। लेकिन कभी कभी उसका घर जाने का भी मन करता था। एक बार जब वह घर गया, उसकी मुलाकात किसी खास शख्स से हुई।

उसके शहर में एक नई लड़की आई थी। उसका नाम था बैटी ब्लेक।

"अरे वाह!" विल ने सोचा। "मैंने इतनी खूबसूरत लड़की आज तक नहीं देखी। मुझे उसका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना ही होगा।"

और विल ने इसके लिए कोशिश की। उसने अपनी साइकिल निकाली। और वह सर के बल साइकिल पर सवार होकर बैटी के घर से सामने से गुज़रा।

तुम समझ ही गए होगे कि फिर क्या हुआ। बिलकुल ठीक। विल औंधे मुँह गिरा और उसे चोट लग गई। उसे शर्मिंदगी ज़रूर महसूस हुई, लेकिन वह हंसने लगा।
"हाँ, अपने आप पर हंस कर मुझे बहुत अच्छा लगता है," विल को अचानक महसूस हुआ।
लैरी एट को विल पर गर्व हुआ। वह और बैटी भी हंसने लगे। और तुम क्या सोचते हो, बैटी ने क्या सोचा होगा एक ऐसे लड़के के बारे में जो खुद पर हंस सकता हो? "वह मुझे काफी अच्छा लगा," बैटी ने सोचा।
विल और बैटी अक्सर एक दूसरे से मिलने लगे। विल ने सोचा कि शायद एक दिन वह बैटी से विवाह कर लेगा। लेकिन उससे पहले वह दुनिया देखना चाहता था। जहाज़ से दूर-दराज़ जगहों की यात्रा करने का विचार उसे अच्छा लगा।
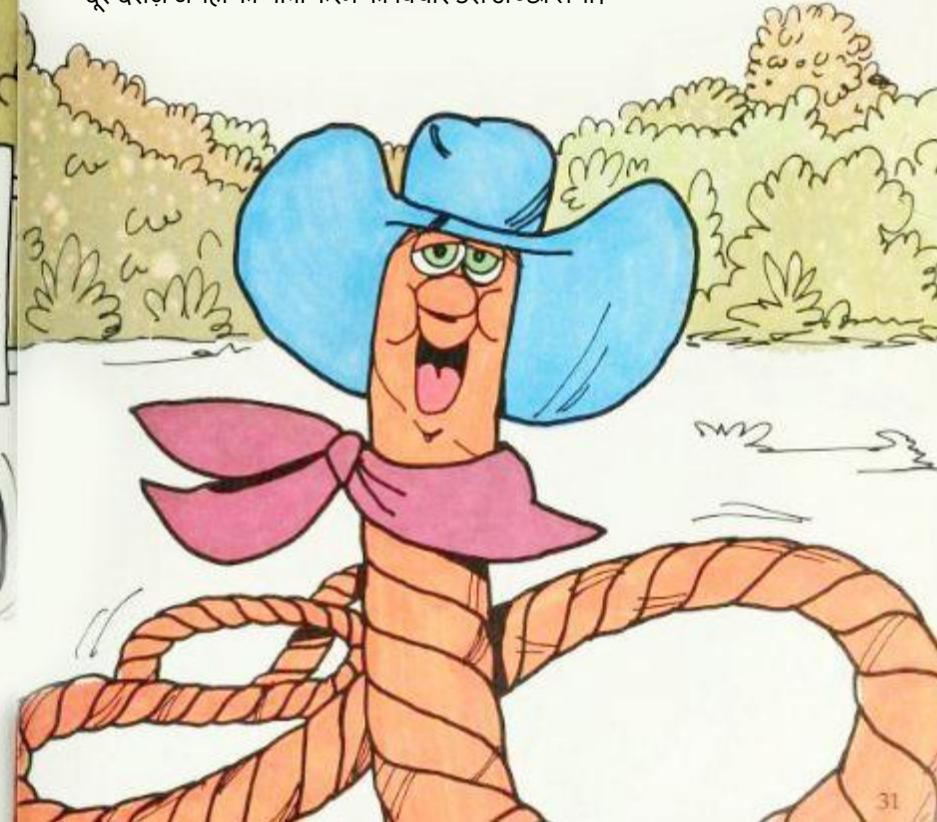
लेकिन जब उसने जहाज़ से समुद्री यात्रा की, तो उसे जहाज़ी बीमारी हो गई। "ओ हो, मैं बिलकुल अच्छा महसूस नहीं कर रहा हूँ!" विल ने कराहते हुए कहा। लैरी एट को भी अपने तबियत ठीक नहीं लग रही थी।

समय के साथ धीरे से विल जहाज़ी बीमारी ठीक हो गई। उसने बहुत सी दूर-दराज़ जगहों की यात्रा की। वह इंग्लैंड,साउथ अमेरिका, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया घूमने गया।

अब विल रस्सी घुमाने में माहिर हो गया था, और लोग पैसे देकर उसके करतब देखते थे। उसे घूमने-फिरने में मज़ा आता था, और उसने एक महत्वपूर्ण बात जानी। "कहीं भी चले जाओ, लोग लगभग एक जैसे ही होते हैं," उसे अनुभव हुआ।

जब विल वापस अमेरिका पहुंचा, उसने एक गज़ब का काम किया। जानते हो, क्या था वह काम ?

वह न्यूयॉर्क के एक रोडीओ में अपने रस्सी के करतब दिखा रहा था। अचानक एक जंगली सांड़ अपने बाड़े से बाहर निकल आया। बाड़ को तोड़ कर वह दर्शकों की ओर दौड़ा। लोग डर कर चिल्लाने लगे।

"वह साँड़ किसी को मार न डाले," विल ने सोचा।
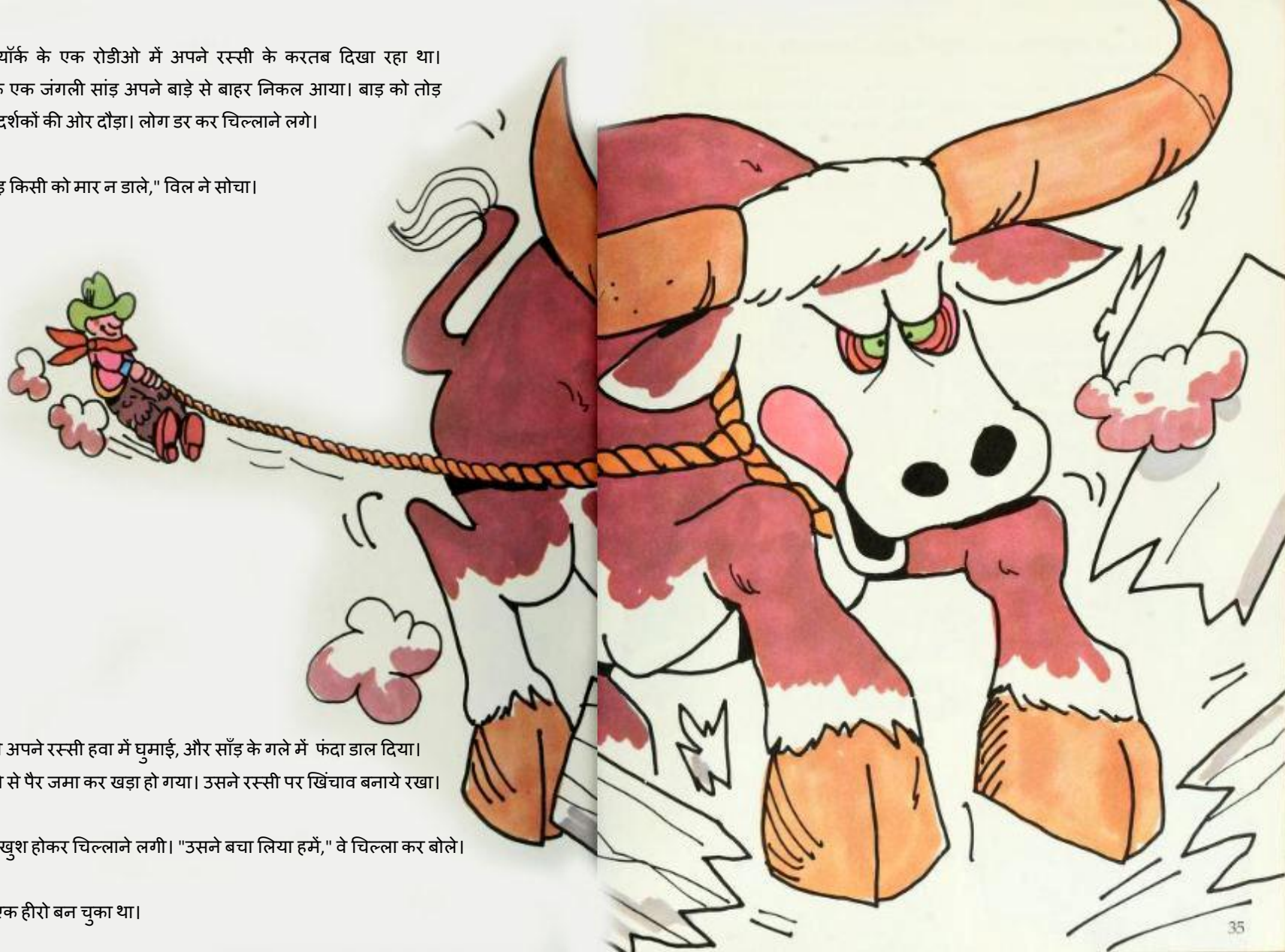
उसने फुर्ती से अपने रस्सी हवा में घुमाई, और साँड़ के गले में फंदा डाल दिया। विल मज़बूती से पैर जमा कर खड़ा हो गया। उसने रस्सी पर खिंचाव बनाये रखा।

फिर तो भीड़ खुश होकर चिल्लाने लगी। "उसने बचा लिया हमें," वे चिल्ला कर बोले।

विल रॉजर्स एक हीरो बन चुका था।

अगले ही दिन विल का फोटो न्यूयॉर्क के अख़बारों में छप गया।

"मैं मशहूर हो गया हूँ," विल ने लैरी एट से कहा। "अब मैं स्टेज पर अपने रस्सी के करतब दिखाने का काम करूँगा। मेरे करतब देखने के लिए अब बहुत से लोग पैसे देंगे।"

लेकिन क्या तुम्हें लगता है कि विल के लिए यह सब इतना आसान रहा होगा?

बिलकुल नहीं। अधिकतर थिएटर मालिकों का मानना था कि रस्सी के करतब की सही जगह रोडीओ ही है, न्यूयॉर्क के थिएटर नहीं।

"अफ़सोस," उन्होंने विल से कहा, "हम तुम्हारी प्रतिभा का उपयोग नहीं कर सकते।"

विल के लिए यह मुश्किल समय था। रोडीओ शहर से जा चुका था, और विल के पास कोई काम नहीं था। "बहुत नादान हूँ मैं, जो मैंने सोचा कि अख़बार में फोटो छपने के बाद मुझे आसानी से काम मिल जायेगा," उसने कहा। फिर वह अपनी नादानी पर थोड़ा हंसा, और उसे अच्छा महसूस हुआ।

आखिरकार विल ने एक थिएटर मालिक को एक मौका देने के लिए मना ही लिया। वह स्टेज पर रस्सी के करतब दिखायेगा, और घोड़े की सवारी भी करेगा।
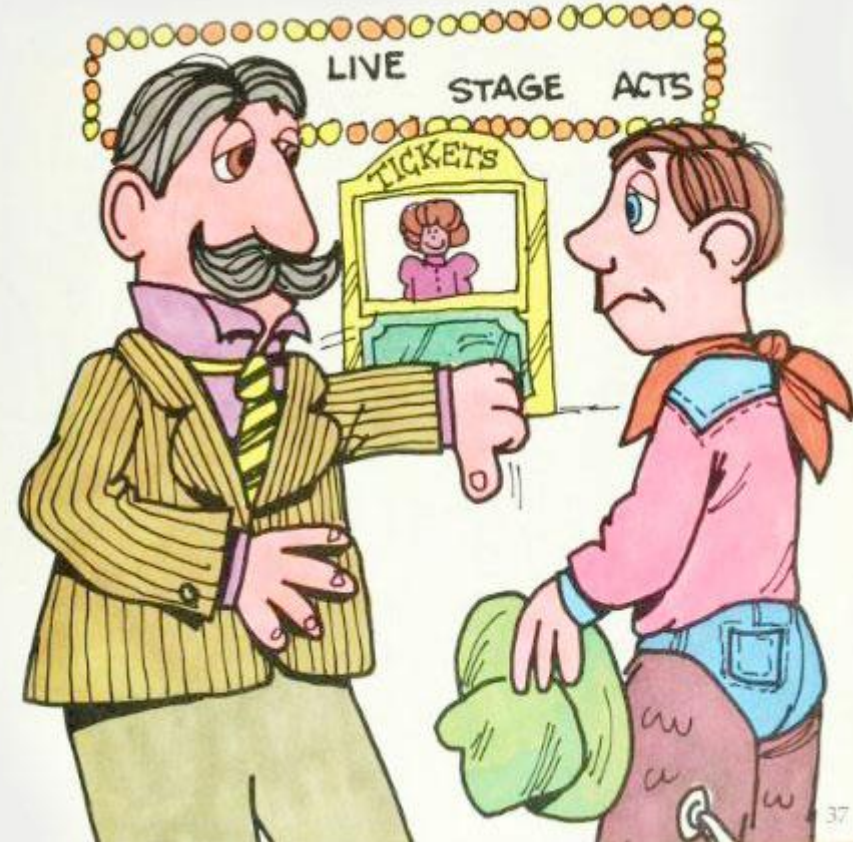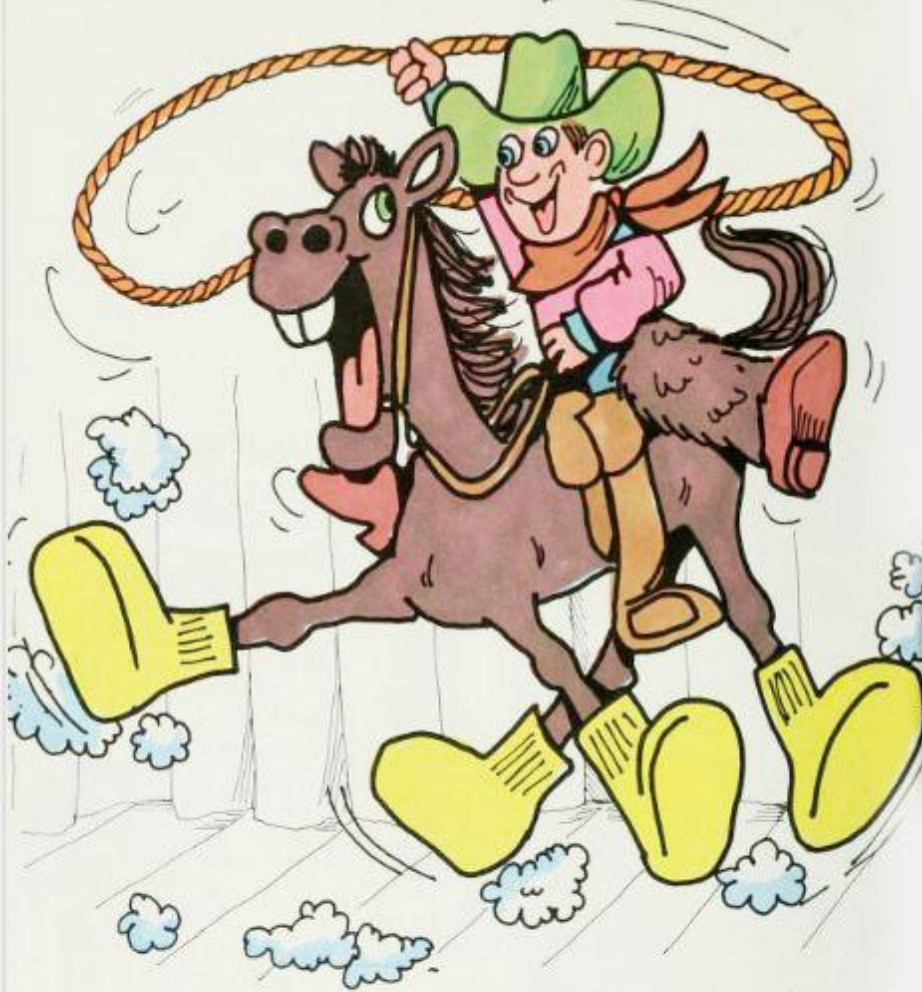
उसके घोड़े को ख़ास रबर के जूते पहनाये गए थे, जिससे कि वह स्टेज पर फिसल कर गिर न पड़े। लेकिन किसी ने स्टेज के फर्श पर कोई चिकनी चीज़ गिरा दी थी। घोड़ा स्टेज पर फिसला, और दर्शकों पर गिरते-गिरते बचा।

"यह बहुत मज़ेदार था," विल ने कहा। "लेकिन इस तरह तो मेरे घोड़े को चोट लग सकती है।" फिर उसके बाद विल ने घोड़े को स्टेज पर लाना बंद कर दिया।

फिर एक रात जब विल स्टेज पर करतब दिखा रहा था, एक अच्छी घटना घटी। विल एक गलती कर बैठा। उसकी रस्सी उसकी ही टांगों में फँस गई।

नज़ारा बेवकूफी भरा था, लेकिन अब विल ने खुद पर हंसना सीख लिया था। वह मुस्कुराया, और बोला, "रस्सी में फँस जाने में कोई बुराई नहीं है, बशर्ते कि फंसने वाली चीज़ गर्दन न हो।"

और दर्शक ज़ोर से हँसे। उन्हें विल का विनोदी स्वाभाव अच्छा लगा। उसके रस्सी के करतब तो अच्छे थे ही, लेकिन जिस तरह वह दर्शकों को हँसाता, वह उन्हें और भी अच्छा लगता।

हालाँकि दर्शक विल को बहुत पसंद करते थे, लेकिन फिर भी उसे अकेलापन महसूस होता था। उसे अपने किसी खास की याद सता रही थी।
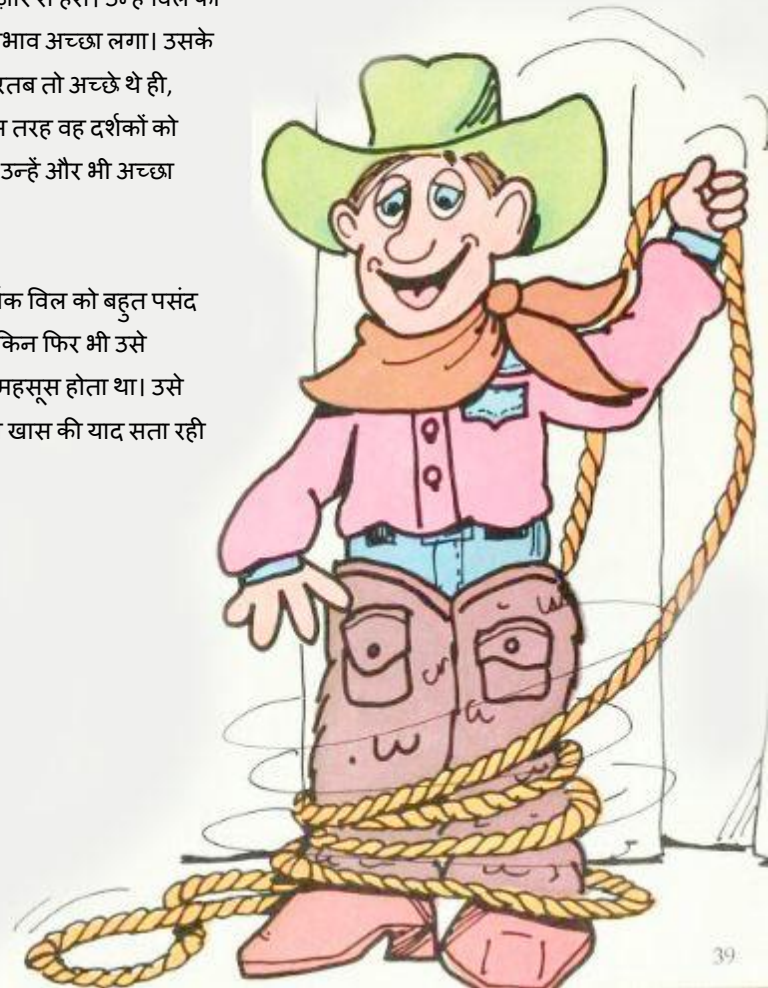
विल बैटी से मिलने घर वापस चला गया। उसने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। वह बहुत खुश हुआ, जब उसने हाँ कर दी।

और जानते हो, विल ने शादी के लिए अपना काल्पनिक बैस्ट मैन किसको चुना ? वह था लैरी एट, जिसने उसे आँख मारी, और फुसफुसा कर कहा, "मुझे अच्छा लगा बैस्ट मैन बनना। मैं बहुत खुश हूँ कि विल और बैटी ने विवाह करने का निश्चय कर लिया।"

बाद में विल ने सब लोगों से कहा, "बैटी को अपनी रस्सी में फंसाना मेरी ज़िन्दगी का सबसे बढ़िया करतब था।"

शादी के बाद विल और बैटी के बच्चे भी हुए।

लेकिन विल ने स्टेज पर अपने रस्सी के करतब दिखाना जारी रखा। अब वह रस्सी के करतबों से ज़्यादा अपनी बातों से लोगों का मनोरंजन करता था। उसकी बातें इतनी मज़ेदार होती थीं कि लोग बार-बार उसकी नई बातें सुनने की जिज्ञासा लेकर आते।

"मैं वही बातें बार-बार नहीं दोहरा सकता," विल ने बैटी से कहा। "मुझे हर बार नए लतीफे ढूंढने होंगे।"

"तुम रोज़ अख़बार में जो कुछ पढ़ते हो, उसके बारे में लतीफे क्यों नहीं बनाते ?" बैटी ने पूछा।

"यह तो बहुत अच्छा विचार है," विल ने खुश होकर कहा। फिर तुरंत ही उसने इस विचार को आज़माया।
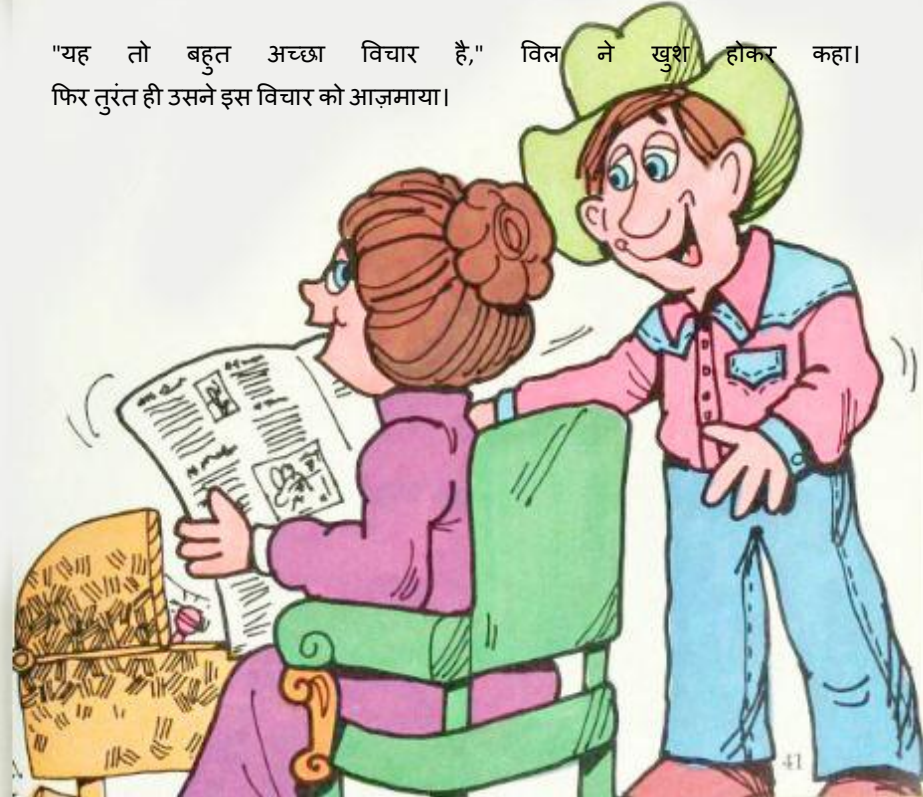
"देखो भाई, मुझे तो केवल वही पता है, जो मैंने अख़बारों में पढ़ा है," विल स्टेज पर से कहता।

जब वह बोलता, तो लोग खूब हँसते। वे देख पाते थे कि अख़बारों में छपी खबरों का भी एक हास्य-व्यंग से भरा पहलू है। और फिर वे यह भी समझने लगे कि उनकी अपनी ज़िन्दगी में भी जो कुछ होता है, उसका भी शायद कोई हास्यमय पहलू ज़रूर है। उन्होंने अपने ऊपर हंसना सीख लिया। और इससे उन्हें प्रसन्नता मिली।

विल भी प्रसन्न था। आखिरकार, वह वही काम कर रहा था, जिसमें वह सबसे अच्छा था। वह केवल रस्सी ही नहीं झुला रहा था। वह एक महान व्यंगकार बनता जा रहा था।

तुम समझते हो न, व्यंगकार क्या होता है ?

व्यंगकार वह होता है, जो लोगों को अपने रोज़मर्रा के कामों में हास्य-व्यंग का पहलू देखने में मदद करता है।

और जब लोग ऐसे करने लगते है, तो वे गलतियां करने से इतना घबराते नहीं हैं। वे अधिक अच्छी तरह सोच पाते हैं। और वे अपने आप को कहीं अधिक पसंद करने लगते हैं।
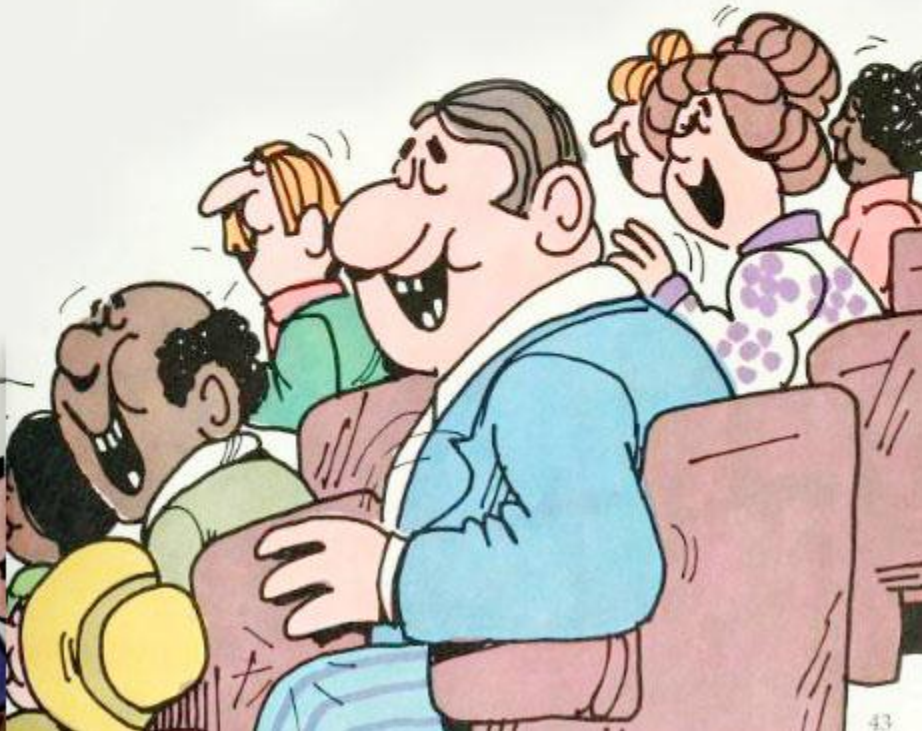
विल को अपना काम करते समय प्रायः कोई घबराहट या आशंका नहीं होती थी। लेकिन एक दिन वह इतना आशंकित था, कि थिएटर मैनेजर को उसे धक्का देकर मंच पर भेजना पड़ा। भला इतना आशंकित क्यों था वह?

दर असल एक दोस्त ने उसे बता दिया था , "विल, अमेरिका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन भी आज दर्शकों के बीच बैठे हैं!"

"ओह, नहीं," विल दुखी होकर बोला। "मैं तो राष्ट्रपति के बारे में ही कुछ लतीफे सुनाने वाला था। कहीं ऐसा न हो कि उन्होंने अपने आप पर हंसना न सीखा हो। अगर कहीं वह नाराज़ हो गए, तो?"

खैर, विल ने अपने कार्यक्रम शुरू किया। दर्शक ध्यान से उसको सुन रहे थे। वे उस तरह खुल कर नहीं हँसे, जैसे हमेशा हँसते थे। उन सभी की निगाह राष्ट्रपति पर थी, कि वे क्या प्रतिक्रिया देंगे।
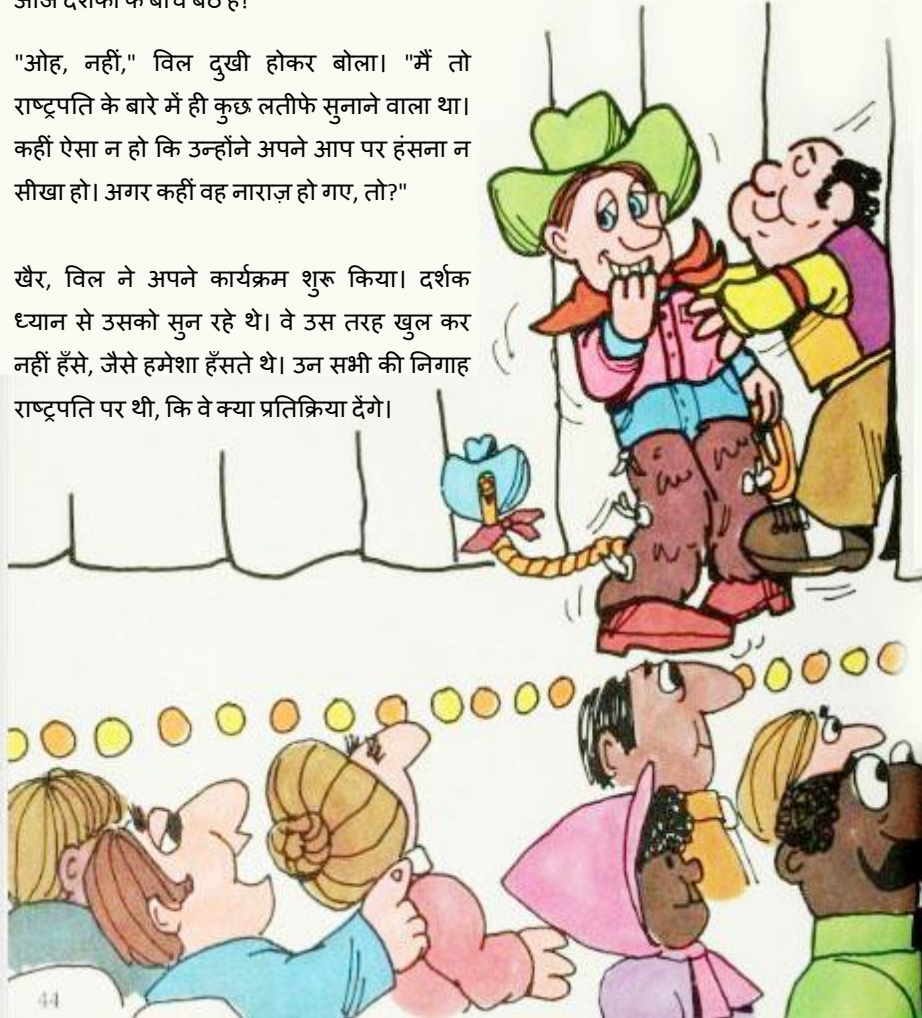
पहले राष्ट्रपति मुस्कुराये। फिर वे कुछ दबी सी हंसी हँसे।और फिर वह खुल कर हँसे। दर असल वह इतनी ज़ोर से हँसे कि अपने कुर्सी से गिरते-गिरते बचे।

और फिर बाकी दर्शक भी हंसने लगे। उन्हें यह बात बहुत अच्छी लगी, कि इतना महत्वपूर्ण व्यक्ति भी अपने आप पर हंस सकता है।

जब कार्यक्रम समाप्त हो गया, तो राष्ट्रपति विल्सन ने एक काम किया। जानते हो वह काम क्या था।
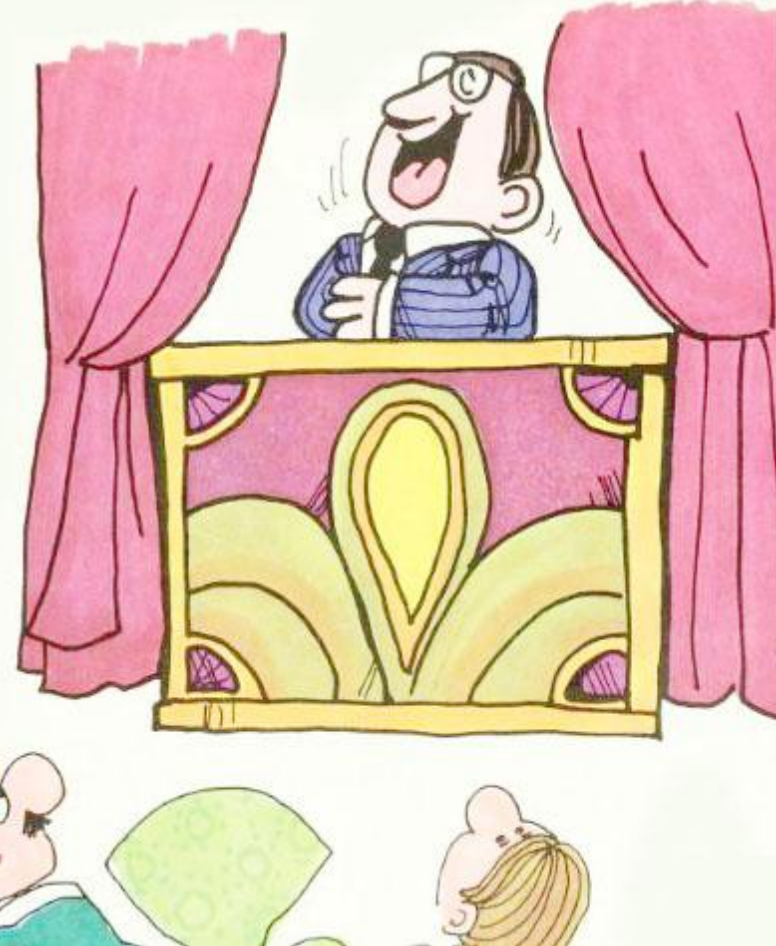
राष्ट्रपति मंच के पीछे गए, और उन्होंने विल रॉजर्स से हाथ मिलाया। यानि एक राष्ट्रपति भी अपने कार्यों का व्यंगात्मक पहलू देख कर उसका आनंद ले सकता है।

लैरी एट ने जब राष्ट्रपति को विल की ओर आते देखा तो वह थोड़ा सकुचा गया। वह विल की टांगों के पीछे छिप गया। लेकिन जब राष्ट्रपति चले गए, तो विल को लगा कि जैसे लैरी एट कह रहा हो, "तुम्हारे माता-पिता कितना गौरवान्वित महसूस कर रहे होंगे आज रात।"

विल को विश्वास था कि वे ज़रूर गौरवान्वित होंगे।
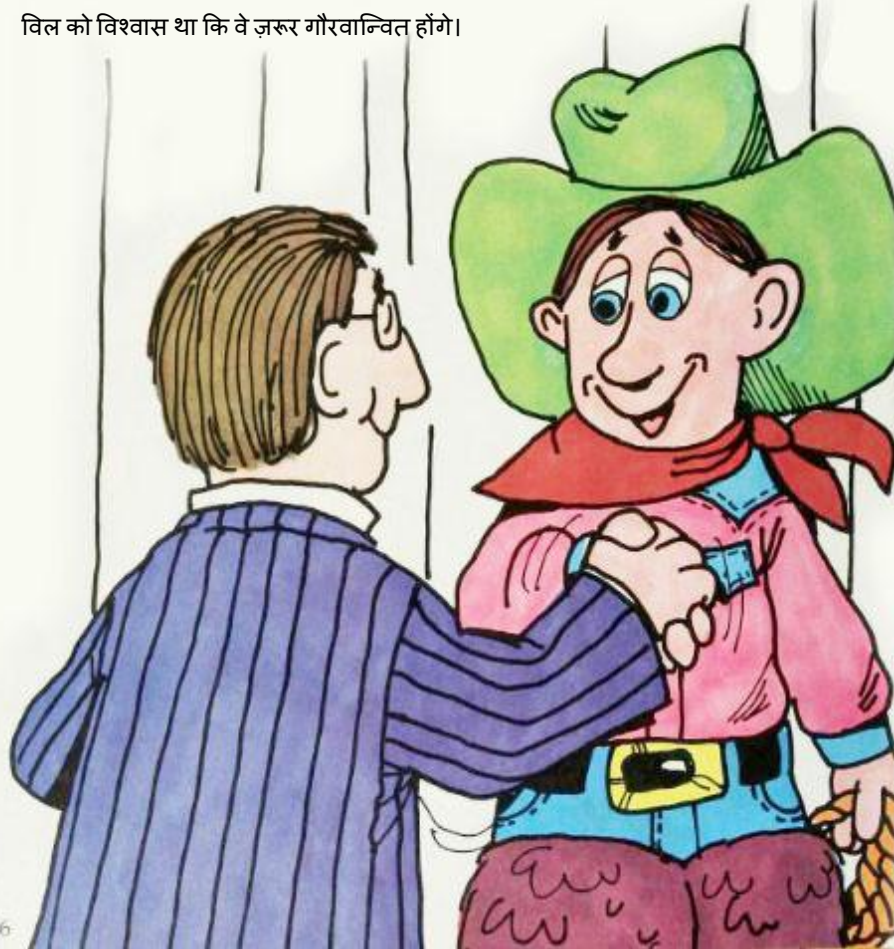
अधिक से अधिक लोग विल की बातों में रुचि लेने लगे। संसार में, और उनके अपने जीवन में जो कुछ हो रहा था, वे उसमें हास्य-व्यंग का पहलू देखना चाहते थे।

इसलिए विल से कहा गया कि वह अख़बारों के लिए एक स्तम्भ लिखे। और उसे फिल्मों में भी काम करने का न्योता मिला।

फिल्मों में काम करना मेहनत का काम था, लेकिन इसमे मज़ा भी आता था। विल बहुत खुश था।

विल अपने काम में कड़ी मेहनत कर रहा था, और सभी कामों में और अधिक प्रवीण होता जा रहा था, चाहे वह अख़बार के लिए लिखने का काम हो, मंच का कार्यक्रम, फिल्मों का काम, या फिर रेडियो पर बात करने का काम।

एक दिन विल अपनी कार के पायदान पर बैठा अख़बार के लिए अपना लेख टाइप कर रहा था। लैरी एट कंधे के पीछे से यह देख रहा था। "तुम अपनी हास्य-व्यंग की मनोवृत्ति के विकास के लिए अच्छा परिश्रम कर रहे हो, विल," विल को लगा जैसे उसने कहा हो। "कोई आश्चर्य नहीं कि तुम इतने प्रसन्न हो।"

बहुत से लोग विल को रेडियो पर बोलते हुए सुनते थे। एक समय आया जब अर्थव्यवस्था बहुत मंदी में थी, और बहुत से लोगों के पास न तो पैसे थे, और न ही नौकरी। वे बहुत चिंतित और परेशान थे।

लेकिन जब वे अपने घर पर रेडियो के इर्द-गिर्द जमा होकर विल की बातें सुनते, तो हंसने लगते। विल के इस हास्य-विनोद ने इस कठिन समय का सामना करने में उनकी बहुत सहायता की।

विल की बातें सुन कर हर कोई अच्छा महसूस करता। काल्विन कूलिज, जो अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके थे, शायद ही कभी मुस्कुराते हों। लेकिन जब वह विल से मिले, वह भी खूब हँसे, और आनंदित हुए।

विल रॉजर्स की बहुत से गणमान्य लोगों से भेंट हुई, जिनमें कई राजा, रानियां, और राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल थे। वे सभी उससे मिल कर प्रसन्न होते, और उसके विनोदी स्वभाव से कुछ सीखते।

लेकिन कुछ ऐसे लोग भी थे, जिनके साथ रहना विल को भी बहुत अच्छा लगता था।

छोटे शहरों के निवासियों से मिल कर विल को अच्छा लगता था। उसे अपने लतीफों के लिए सबसे अच्छे विचार तब मिलते, जब वह ध्यानपूर्वक लोगों की बातों को सुनता था।

लेकिन विल को सबसे अच्छा लगता था अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अपने फार्म पर रहना।

वह शांतिपूर्वक घर के बाहर बैटी के साथ बैठता, और अपने बच्चों को खेलते हुए देखता। वे भी रस्सी फेंकना सीख रहे थे, यानि वही काम जिसका आनंद विल ने सारा जीवन लिया था। कभी कभी वे गलतियां करते, और फिर विल हँसता।

"मुझे आशा है कि हमारे बच्चे भी जीवन के विनोद-पूर्ण पहलुओं को देखना सीखेंगे," वह बैटी से कहता। "यदि ऐसे हो, तो वे जीवन में अधिक आनंद उठाएंगे।“

विल अपने खुद का बचपन याद करता, और सोचता, "कितना मज़ा आता था यह कल्पना करके कि मेरी रस्सी रस्सी नहीं बल्कि लैरी एट थी। अपने अंतर्मन की आवाज़ को सुन कर मैंने कितना कुछ सीखा है।" विल को अभी भी लगता था जैसे लैरी एट उसके एकदम समीप खड़ा हो।

लेकिन विल के लिए परिस्थितियां हमेशा इतनी शांत और बेफिक्री भरी नहीं होती थीं। तरह-तरह के लोग विल के फार्म पर आते और उससे मिलते। उसके बहुत से दोस्त बन गए थे।

जानते जो, इतने सारे लोग विल को क्यों पसंद करते थे?
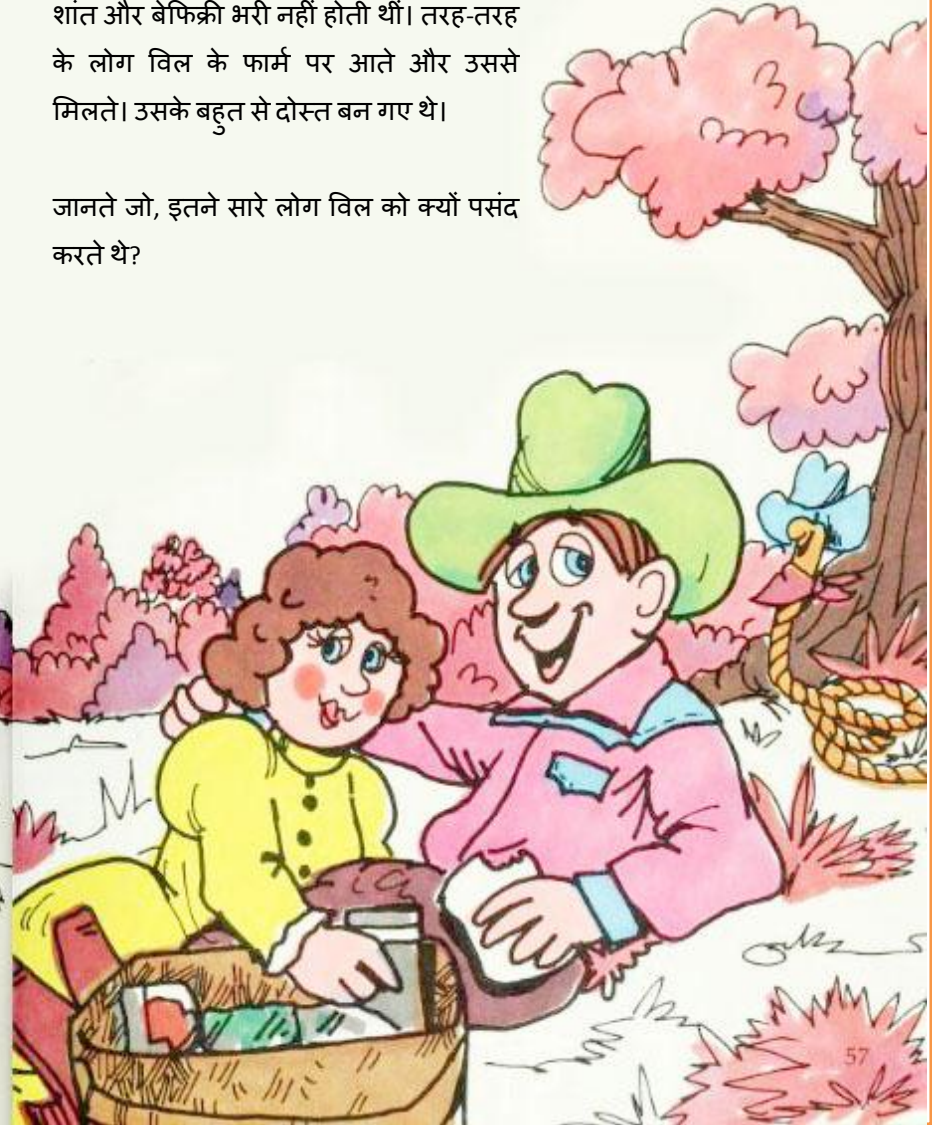
क्योंकि विल एक विनोद-पूर्ण स्वाभाव का व्यक्ति था। अपने इसी स्वाभाव के कारण उसे भी लोगों से मिलना-जुलना अच्छा लगता था। जब वे कोई बेवकूफी का काम करते, तो विल को बुरा नहीं लगता था। वह केवल मुस्कुरा देता।

असल में, एक बार उसने कहा, "आज तक मेरी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं हुई, जो मुझे अच्छा न लगा हो।" और इस प्रकार, स्वाभाविक है,अन्य लोग भी विल को पसंद करते थे।

विल के हास्य-विनोद ने न केवल उसे, बल्कि उसके आस-पास के सभी लोगों के आनंदित किया।
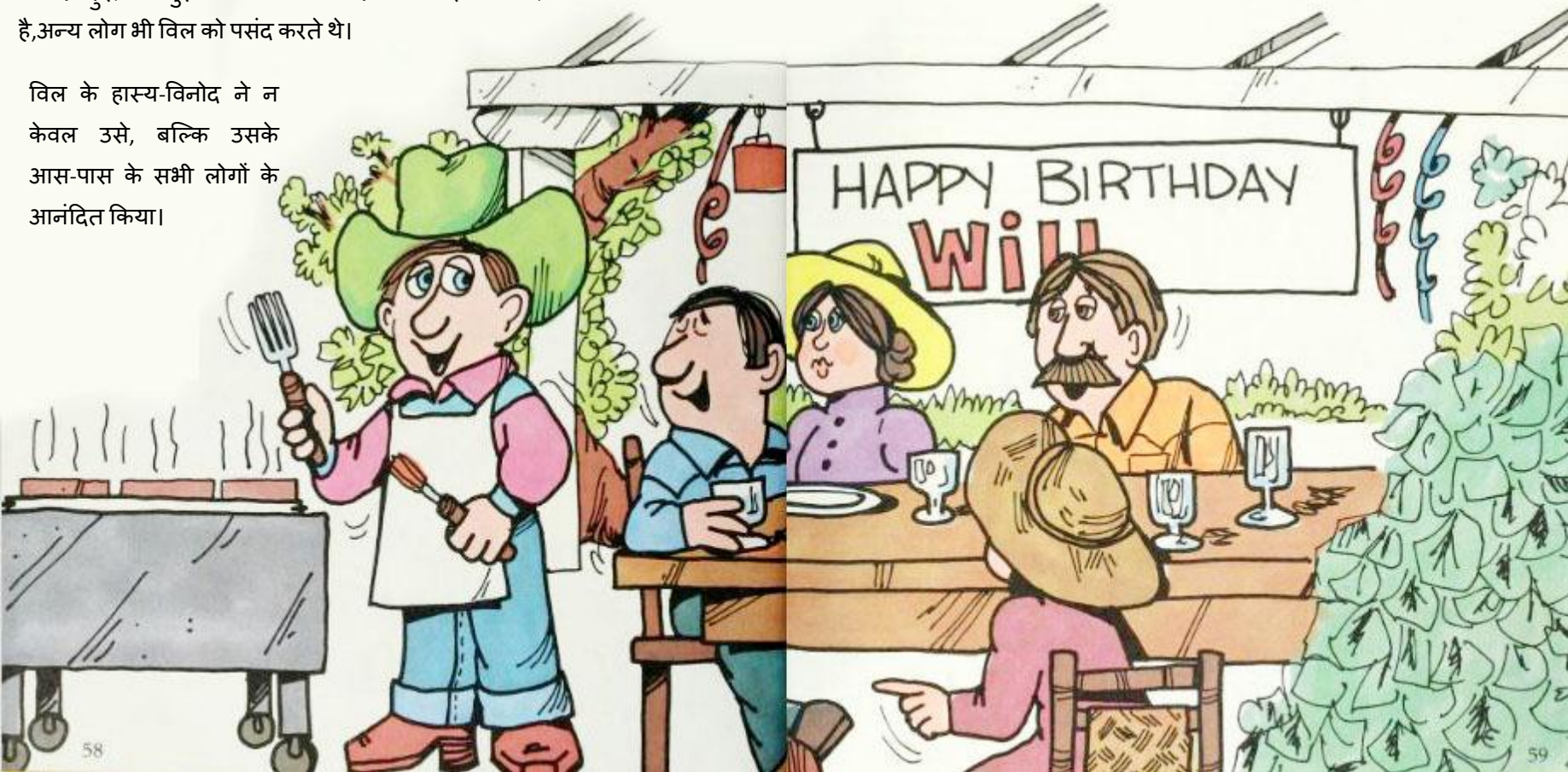
और तुम?

भले ही तुम विल की तरह प्रसिद्ध न हो सको, लेकिन एक महत्वपूर्ण कार्य तुम अवश्य कर सकते हो।

ऐतिहासिक तथ्य

हास्य-विनोद का महत्त्व समझ कर तुम भी अपने जीवन में इसका प्रयोग कर सकते हो। और फिर तुम भी अधिक सुखी हो सकते हो, ठीक हमारे हास्यपूर्ण मित्र विल रॉजर्स की तरह।

विलियम पेन अडैर रॉजर्स, जो आठ भाई-बहनों में सबसे छोटा था, का जन्म ४ नवंबर १८७९ को अपने माता-पिता के फार्म पर हुआ था, जो कि क्लेरमॉन्ट और ऊलोगाह शहरों के बीच लगभग आधे रास्ते पर था। यह स्थान तब रेड इंडियन लोगों के इलाके में था, और अब ओक्लाहोमा राज्य का हिस्सा है।

उसके पिता क्लेम और माँ मैरी, दोनों का आंशिक पैतृक सम्बन्ध चेरोकी रेड इंडियन लोगों से था, इसलिए विल भी अपने आप को एक चौथाई रेड इंडियन ही मानता था।

उसके राज्य ओक्लाहोमा का नाम भी रेड इंडियन लोगों की भाषा से ही लिया गया था। ओकला शब्द का अर्थ है लाल, और होम्मा का अर्थ है, लोग, यानि लाल लोग, या रेड इंडियन। विल ने एक बार कहा था, "मेरे पुरखे मेफ्लावर में बैठ कर नहीं आये थे, बल्कि उन्होंने उसकी अगवानी की थी।" मेफ्लावर उस जहाज़ का नाम था जिसमें बैठ कर इंग्लैंड के लोग पहली बार अमेरिका आये थे।

विल जब केवल दस साल का था, उसकी माँ का देहांत हो गया। विल को इससे बहुत सदमा पहुँचा, क्योंकि उसे अपने माँ की ममता, विनोदप्रियता, संगीतप्रेम और लोगों से मेल-जोल बहुत भाता था। ये सब वही गुण थे जो विल को भी अपने माँ से विरासत में मिले थे।

विल एक संपन्न पिता का ज़िंदादिल पुत्र था, और उसके पास अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अवसर था। हालाँकि वह बहुत बुद्धिमान था, और कई स्कूलों में गया भी, लेकिन उसे स्कूली पढाई बिलकुल रुचिकर नहीं लगी।

विल रॉजर्स हमेशा ठेठ पश्चिमी अमेरीका के लहज़े में अंग्रेजी बोलता था, और भाषा की शुद्धता की उसे बिलकुल परवाह न थी। इस पुस्तक में जहाँ कहीं विल के शब्दों को उद्धरित किया गया है, उनको थोड़ा इस प्रकार बदला गया है, कि वे बच्चों के पाठ्यक्रम लिए उपयुक्त हों। उसकी पत्नी ने कोशिश की कि विल शुद्ध भाषा और उच्चारण का प्रयोग करे, लेकिन विल का मानना था कि कुछ हद तक उसकी विशिष्ट सफलता का एक कारण उसकी भाषा और उच्चारण भी था।

किसी अन्य बात से अधिक, यह विल की हास्य-विनोद की प्रवृत्ति ही थी, जिसके कारण वह एक सफल दार्शनिक, अभिनेता, रेडियो व्यक्तित्व, स्तम्भकार, समाज-सेवी और एक अच्छा इंसान बन सका।

१८९९ में विल की मुलाकात बैटी ब्लेक से हुई। नौ साल बाद उनका विवाह बैटी के शहर रॉजर्स , अर्कन्सास में हुआ। बैटी विल के जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा थी। वह उसकी सबसे अच्छी समालोचक थी, और उसके वित्तीय और व्यापार-सम्बन्धी मसलों की देखरेख वही करती थी। वह उसकी जीवन-संगिनी ही नहीं, सबसे अच्छी मित्र भी थी। विल और बैटी के चार बच्चे थे, लेकिन बहुत दुःखद रूप से उनका एक बेटा फ्रेड बहुत छोटी उम्र में ही चल बसा। बाकी तीन बच्चे, विल (जूनियर), जिमी और मैरी, रॉजर्स दम्पति के जीवन का महत्वपूर्ण अंग थे।

१९०५ में विल की मुलाकात एक रोडीओ कलाकार टॉम मिक्स से हुई, जिसने विल को अपनी चीन यात्रा की, और टेडी रूज़वेल्ट के "रफ़ राइडर्स" से साथ बिताये समय की बातें बतायीं। इन वार्तालापों ने विल के मन में भी घूमने-फिरने की इच्छा जगा दी। जब विल अपने परिवार के साथ घर पर नहीं होता था, वह कहीं-न-कहीं घूम-फिर रहा होता था। उसने यात्रा के दो नए साधनों, यानि मोटरकार, और वायुयान, का खूब प्रचार-प्रसार किया। उसके मित्रों में शामिल थे खुद हेनरी फोर्ड, जिन्होंने उसे मॉडल -ए की सबसे पहली मोटरकार भेंट में दी। उस समय के अधिकांश विमान प्रेमी, जैसे बिली मिचेल, चार्ल्स लिंडबर्ग़ और विली पोस्ट भी उसके दोस्तों में शामिल थे।

विल के जीवन का अंत १९३५ में एक दुर्घटना में हुआ, जब वह विली पोस्ट के साथ पूरे विश्व की विमान यात्रा कर रहा था। उनका विमान दूर-दराज़ अलास्का के पॉइंट बैरो नामक स्थान पर गिर कर ध्वस्त हो गया। पूरे विश्व में उसकी मृत्यु का शोक मनाया गया। उन दिनों हवाई यात्रा एक बहुत जोखिम भरा काम होता था। वायुयानों का निर्माण हाल ही में शुरू हुआ था। लेकिन विल को जोखिम-भरे काम करना हमेशा से पसंद था। एक बार उसने एक मित्र को यह सलाह दी थी, "जीवन में कुछ जोखिम उठाओ, तभी सफलता मिलेगी।"

विल ने कुछ रसूखदार और महत्वपूर्ण लोगों के नाराज़ होने की परवाह किये बिना उन लोगों के दम्भी और लोभी होने पर व्यंग कसे। लेकिन उसने ऐसा एक विनोद-पूर्ण माहौल में बिना किसी कटुता के किया। समाज के सभी वर्गों के लोग उसकी ये बातें बहुत पसंद करते थे। यह एक विडम्बना ही है कि स्वयं व्यंगकार विल रॉजर्स ने कहा था, "किसी व्यक्ति की महानता इस बात से आंकी जा सकती है, कि उसके जाने के बाद लोग उसे कितना याद करते हैं।"